RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"
पटना, वर्षः 6 , अंकः191, शनिवार, 19 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

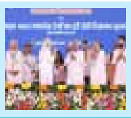

प्रधानमंत्री ने मोतिहारी से 7,200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन 03

295 बालिकाओं को लगा एचपीवी टीकाः चकहमीद नदेल और सोनमा सिमरी में हुआ सफल टीकाकरण अभियान 04

ट्विंकल अरोड़ा का सपना पंजाबी आ गए ओए से पूरा, बोलीं- हमेशा से... 07

बिहार में 2005 से पहले कोई काम नहीं होता था : नीतीश कुमार

- 125 यूनिट बिजली मुफ्त का प्रस्ताव आज ही कैबिनेट से होगा पास

एजेंसी, पटना

बिहार के पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी में शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी के शासनकाल की याद दिलाते हुए कहा कि पहले क्या हाल था, आप सभी जानते हैं। 2005 से पहले यहां कोई काम नहीं होता था। मुख्यमंत्री नीतीश ने आज प्रधानमंत्री की मोतिहारी जनसभा में अपने संबोधन में कहा कि जब नवम्बर 2005 में भाजपा और जदयू की सरकार बनी, तब से लेकर 20 साल से हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की तरफ से लोगों के हित में बिहार में बहुत काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-2 के तहत युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी और 29 लाख लोगों को रोजगार दिया गया है। अब अगले 5 साल में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देंगे। नीतीश ने कहा कि पहले वे लोग (लालू-राबड़ी) कुछ भी पैसा नहीं लगाते थे। हमलोग धीरे-धीरे विकास के लिए पैसा बढ़ाते गए। हम सब काम कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की सराहना करते हुए कहा कि बहुत काम किया गया है। सभी क्षेत्रों में तेजी से काम हो रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य पर बहुत काम हुआ है। पुल-पुलिया, सात निश्चय, हर घर बिजली, शौचालय, टोलों को पक्की सड़क से जोड़ने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बिहार में 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का ऐलान किया है। इसका प्रस्ताव आज ही कैबिनेट में पारित किया जाएगा। उन्होंने

कहा कि इस पर हमने आपस में बात कर ली है। यहां से जाते ही शाम में प्रस्ताव पारित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां कमी देख रहे, उसका समाधान कर रहे हैं। 50 हजार करोड़ की 430 योजनाओं की स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री ने बजट में आर्थिक सहायता दी। पर्यटन, बाढ़ के लिए पैसा दिए हैं। मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट स्थापना, कोसी परियोजना जैसे काम कराए हैं। इससे पहले सभा में मौजूद सभी लोगों को नीतीश कुमार ने एक्सरसाइज करवा दिया। नीतीश ने कहा- ऐ खड़ा हो, सब खड़ा हो। फिर सभा में मौजूद सभी लोगों को खड़ा करवाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत कराया। इसके बाद मंच पर बैठे प्रधानमंत्री भी अपनी कुर्सी से उठ गए और हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन किया।

नीतीश कैबिनेट में 125 यूनिट बिजली मुफ्त करने के प्रस्ताव को मिली स्वीकृति

एजेंसी, पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम हुई कैबिनेट की बैठक में 125 यूनिट बिजली मुफ्त करने संबंधी निर्णय पर स्वीकृति दे दी गई । इसके लिए बिहार सरकार 3,797 करोड़ की राशि बिजली विभाग को उपलब्ध कराएगी। राज्य में सौर्य ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई 2025 की खपत के आधार पर 01 अगस्त 2025 से 125 यूनिट प्रति माह खपत तक शत-प्रतिशत अनुदान देने संबंधी निर्णय पर कैबिनेट ने आज मुहर लगा दी है। कैबिनट ने मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना'' विस्तारीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अतिरिक्त 3,797.00 करोड़ (तीन हजार सात सौ सन्तानवे करोड़) रूपये बिहार स्टेट पावर (हो.) कंपनी लिमिटेड को उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी है। साथ ही राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम 1.1 किलोवाट क्षमता के सौ ऊर्जा संयत्र अधिष्ठापन के लिए कुटिर ज्योति उपभोक्ताओं को पूर्ण वित्तीय सहायता एवं अन्य घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयत्र अधिष्ठापन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का दावा, अमेरिकी उत्पादों पर भारत में जीरो टैरिफ लगेगा....अभी समझौता होना बाकी

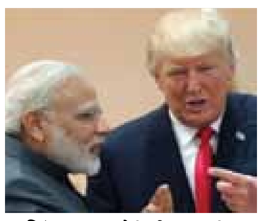

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत के साथ भी इंडोनेशिया जैसा व्यापार समझौता होगा, इसके तहत अमेरिकी उत्पादों पर भारत में जीरो टैरिफ लगेगा। उन्होंने कहा कि वे इस संबंध में एक पत्र भेजूंगा, जिसके बाद यह समझौता हो जाएगा। ट्रंप का यह बयान तब आया है, जब अमेरिका ने 1 अगस्त से इंडोनेशिया से आने वाले सामानों पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है, जबकि अमेरिकी सामानों पर इंडोनेशिया में कोई टैरिफ नहीं लगेगा।

राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था जर्जर, मरीज को एम्बुलेंस नहीं टेंपो से भेज रही सरकार : बाबूलाल

रांची । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की हेमंत सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था जर्जर है। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि सड़क पर घायल व्यक्ति के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था कराने के बजाय स्वास्थ्य मंत्री ने उसे टेम्पो में लादकर अस्पताल भेजा। उन्होंने कहा कि अपनी पीठ खुद थपथपाने वाले स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग का बंटाधार कर दिया है।

पाकिस्तान में बाढ़ से 178 की मौत, कच्चे-पक्के मकान ढहने से हजारों लोग बेघर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने कहा कि मुल्क में मानसून की तेज बारिश के बीच आई बाढ़ में बड़ा नुकसान हुआ है। कच्चे-पक्के मकान ढह जाने से हजारों लोग बेघर हो गए। 26 जून से 17 जुलाई की रात तक देशभर में 178 लोगों की जान चली गई और 491 अन्य लोग घायल हो गए। एआरवाई न्यूज चैनल ने एनडीएमए के हवाले से प्रसारित खबर में कहा कि पंजाब प्रांत में सबसे अधिक 103 लोगों की मौत हुई है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 38, सिंध प्रांत में 20 और बलूचिस्तान प्रांत में 16 लोगों की जान चली गई।

बिहार को कांग्रेस-राजद की बुरी नीयत से बचाने की जरूरतः प्रधानमंत्री मोदी

- प्रधानमंत्री ने मोतिहारी में 7,200 करोड़ से अधिक की विकास परियोजाओं का किया उद्घाटन, शिलान्यास

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी में आज एक कार्यक्रम के दौरान 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य अब तेजी से विकास कर रहा है और माओवाद समाप्ति की ओर है। वहीं केन्द्र और राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को बिहार में ही रोजगार देने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस नारे को दोहराया, "बनाएंगे नया बिहार फिर एक बार एनडीए सरकार।"

राज्य के मुख्य विपक्षी दलों कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को पिछड़ा विरोधी बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पार्टियों ने अपने परिवार के बाहर किसी को सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा, "इन लोगों का अहंकार आज पूरा बिहार देख रहा है। हमें बिहार को इनकी बुरी नीयत से बचाकर रखना है।" प्रधानमंत्री ने रेल, सड़क,

मत्स्य पालन, आईटी और ग्रामीण विकास क्षेत्रों की परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने चंपारण को ऐतिहासिक धरती बताते हुए कहा कि यह धरती अब बिहार के नए भविष्य को बनाने में प्रेरित करेगी। इस दौरान विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने बिहार के तेजी से हो रहे विकास और माओवाद के खत्म हो रहे प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चंपारण, गया, औरंगाबाद, जमुई जैसे जिलों में कभी माओवाद का अंधकार था, अब वहां के नौजवान बड़े सपने देख रहे हैं। माओवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने बिहार के युवाओं को राज्य में ही रोजगार देने की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि नीतीश सरकार ने पारदर्शिता के साथ लाखों युवाओं को नौकरी दी है। केंद्र सरकार भी इसमें पूरा सहयोग दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बिहार आगे बढ़ रहा है, जिसके पीछे महिलाओं की बड़ी भूमिका है। उन्होंने राजग सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घर बनाए गए हैं, जिनमें से 60 लाख बिहार में हैं। अकेले मोतिहारी में 3 लाख से अधिक पक्के घर दिए गए हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद और कांग्रेस के राज में गरीब को पक्का घर मिलना असंभव था और लोग डर के कारण घरों में रंग-रोगन तक नहीं करवा पाते थे। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को जानना चाहिए कि राजद और कांग्रेस के शासनकाल में बिहार विकास से वंचित था। केंद्र सरकार ने बीते 10 वर्षों में बिहार को पहले से कई गुना अधिक राशि दी है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि पूर्वी भारत में भी मुंबई, पुणे, सूरत और बंगलुरू जैसे औद्योगिक और विकास के केंद्र बनें। मोतिहारी, गया, पटना, संथाल परगना, जलपाईगुड़ी और वीरभूम जैसे क्षेत्रों को भी राष्ट्रीय पहचान दिलाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने आज कार्यक्रम के दौरान समस्तीपुर-बछवाड़ा रेल लाइन की स्वचालित सिग्नलिंग, दरभंगा-समस्तीपुर दोहरीकरण, पाटलिपुत्र में वंदे भारत रखरखाव सुविधा और चार अमृत भारत ट्रेनों का उद्घाटन किया। उन्होंने एनएच-319 और एनएच-333सी की परियोजनाएं शुरू कीं, दरभंगा और पटना में एसटीपीआई केंद्रों का उद्घाटन किया तथा मत्स्य पालन अवसंरचना की शुरुआत की। महिला-नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देते हुए 61,500 स्वयं सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपये और 40,000 आवास योजना लाभार्थियों को 160 करोड़ रुपये जारी किए।

धर्मांतरण मामला : गजवा-ए-हिंद मिशन पर था छांगुर, डायरियों से खुलेंगे अहम राज

- विदेशी फंडिंग और हवाला के पैसों को लेकर ईडी की कार्रवाई तेज

एजेंसी, बलरामपुर/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के उतरौला क्षेत्र के निवासी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर को लेकर आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। छानबीन के दौरान जांच एजेंसियों के हाथ जो सबूत लगे हैं, उससे यह साफ है कि छांगुर लम्बे समय से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा। अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था ने छांगुर के खिलाफ जांच एजेंसियों के कार्रवाई करने की पुष्टि की है। छांगुर 'गजवा-ए-हिंद जैसी खतरनाक विचारा से प्रेरिक होकर भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने के लिए धर्मांतरण का काम करने लगा। इस काम के लिए उसने एक बड़ा नेटवर्क बनाया, जिसमें बहुत सारे मुस्लिम लोगों को जोड़कर हिंदू लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर धर्मांतरण का कार्य करने लगा। भारत में उसका काम अच्छा चलने पर अब वह नेपाल में अपना पांव पसराने लगा था। उसने नेपाल सीमा से सटे कुछ

गांवों के युवाओं पर उसकी नजर थी। हालांकि छांगुर को लेकर अभी तक क्या-क्या कार्रवाई हुई है? इस पर अभी तक कोई अधिकारिक बयान नहीं आया हैं, लेकिन कार्रवाइयां यह बता रही हैं कि छांगुर का मकसद बहुत बड़ा था। जांच टीम के हाथ लगी डायरियों के पन्ने अब उसके कारनामों के राज खोलेंगी। अवैध धर्मांतरण के मामले में अब ईडी टीम ने जांच शुरू कर दी है। इसको लेकर गुरुवार को ईडी की 20 टीमों ने लखनऊ, बलरामपुर और मुंबई में 15 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की थी। उतरौला के मधपुर गांव में बने छांगुर के ठिकाने पर ईडी की टीम ने विदेशी फंडिंग और हवाला से पैसों की लेन देन की पड़ताल की। मधपुर कोठी के लिए नीतू को जमीन बेचने वाले इसी गांव के पूर्व प्रधान जुम्मन खां, विक्रेता संतोष, भाई दुर्गेश त्रिगुनायक से भी पूछताछ की गई।

लालू यादव की याचिका पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने पूर्व केंद्रीय रेलमंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू यादव की लैंड फॉर जॉब मामले में ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। लालू यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। लालू यादव ने लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई की ओर से दायर एफआईआर और चार्जशीट को रद्द करने की मांग की थी। लालू यादव की ओर से कहा गया था कि 2004 से 2009 के बीच कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल होने के बाद 2020 में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की गई, यह एक तरह से

प्रताड़ित करना है। लालू यादव की ओर से कहा गया था कि भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 19 के पहले धारा 17ए के तहत जरुरी अनुमति लेनी होती है, जो नहीं ली गई। 7 अक्टूबर, 2022 को लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती समेत 16 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

पहलगाम अटैक के गुनहगार टीआरएफ को अमेरिका ने आतंकवादी संगठन घोषित किया

एजेंसी, वॉशिंगटन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला करने वाले लश्कर के मुखौटा आतंकी संगठन टीआरएफ यानी द रजिस्टेंस फ्रंट को अमेरिका ने आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। अमेरिका ने 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक के लिए उस आतंकी संगठन को जिम्मेदार माना है। यह तब हुआ है, जब आसिम मुनीर ने बीते दिनों अमेरिका जाकर डोनाल्ड ट्रंप का चरण वंदन किया था, मगर कोई फायदा नहीं हुआ। अब अमेरिका ने भारत की बात पर मुहर लगा दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की ओर से जारी एक बयान में इस बात को स्वीकार किया गया कि इस आतंकी संगठन टीआरएफ ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर केपहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की ज़िम्मेदारी ली थी। बयान के मुताबिक, 'आज विदेश विभाग ने द रेजिस्टेंस फ्रंट को विदेशी आतंकवादी संगठन

और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित किया है। टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा का एक फ्रंट और मुखौटा संगठन है। उसने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। उसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत में नागरिकों पर सबसे घातक हमला था, जिसे लश्कर ने अंजाम दिया था।

जनता के हमदर्द नहीं माकपा और संघ : राहुल

एजेंसी, कोट्टायम

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और मार्कसवादी कमयुनिस्ट पार्टी (माकपा) पर जनता के प्रति भावनाहीनता का आरोप लगाया है। केरल के पुथुपल्ली में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की याद में आयोजित स्मृति सभा के दौरान कांग्रेस सांसद ने ये आरोप लगाए हैं। कोट्टायम के पुथुपल्ली में आयोजित ओमन चांडी स्मृति संगमम में सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरएसएस और माकपा पर जनता के प्रति कोई भावना न रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग विचारधारा से तो लड़ते हैं, लेकिन जनता के प्रति संवेदना का इनमें अभाव है। राहुल गांधी ने कहा , "मेरी संघ और माकपा से वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं सोचते। उनके मन में जनता के लिए कोई भावना नहीं है। मेरी यही सबसे बड़ी शिकायत यह है कि अगर आप राजनीति में हैं तो लोग क्या सोचते हैं, उसे महसूस करें। उनकी बात सुनें और उन तक पहुंचने की कोशिश करें। लेकिन भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि आज बहुत कम लोग हैं, जो असल में दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हैं।" राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने कहा, " मेरे लिए ओमान चांडी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैं, वे केरल की राजनीति की एक अभिव्यक्ति हैं। यहां की राजनीति में ऐसे लोगों को आगे लाने की परंपरा रही है। मेरी आकांक्षा ओमान चांडी जैसे ज्यादा से ज्यादा लोगों को आगे लाने की है। मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही ओमान चांडी के संपर्क में आया था और मुझे कहना होगा कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है।" इससे पहले राहुल गांधी ने केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) द्वारा आयोजित ओमान चांडी स्मृति सभा और केपीसीसी की धर्मार्थ गतिविधियों की शुरुआत की। उस अवसर पर उन्होंने ओमान चांडी फाउंडेशन द्वारा निर्मित 12 घरों की चाबियां भी सौंपी।

ऑपरेशन सिंदूर जारीः लद्दाख में आकाश का अपग्रेड वर्जन तैनात, अग्नि-1 और पृथ्वी-2 का परीक्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

पहलगाम टेरर अटैक के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च कर पाकिस्तान के साथ ही चीन को भी कड़ा संदेश दे दिया कि अब भारत बहुत आगे बढ़ चुकी है। भारत ने एक तरफ हिमालय की ऊंचाइयों पर लद्दाख (एलएसी – चीन बॉर्डर) में आकाश एयर डिफेंस सिस्टम के अपग्रेडेड वर्जन आकाश प्राइम को तैनात कर दिया तो दूसरी तरफ समंदर में अग्नि-1 और पृथ्वी-2 शॉर्ट रेंज मिसाइल का परीक्षण कर अपनी तैयारियों को सफल तरीके से परखा है।

इस तरह भारत ने एक ही झटके में पाकिस्तान और उसके यार चीन को सख्त संदेश दे दिया।

लद्दाख में तैनात किया गया एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाश'अब अपग्रेड वर्जन में है, जिसकी रेंज 25-30 किमी तक बढ़ाई गई है और इसमें सटीकता और रिएक्शन टाइम बेहतर किया गया है। यह इंडियन एयरफोर्स और आर्मी दोनों के लिए महत्वपूर्ण है. खासकर जब चीनी सेना ने भी एलएसी के पास एयरस्ट्रिप्स और रडार एक्टिव कर रखे हैं। एक्सपर्ट की मानें तो यह तैनाती एक रक्षात्मक कदम के साथ-साथ एक रणनीतिक चेतावनी भी है। यह चीन को स्पष्ट संदेश है कि भारत अपनी सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा को हल्के में नहीं लेता। भारत द्वारा पृथ्वी-2 और अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइलों के सफल परीक्षण की जानकारी सामने आई है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मिसाइलों का यह परीक्षण 17 जुलाई को ओडिशा तट के पास चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किया गया। जो कि लांच से जुड़े हुए सभी रणनीतिक और तकनीकी मानकों पर खरा उतरा है। भारत की सामरिक बल कमांड (एसएफसी) द्वारा यह परीक्षण किए गए। मंत्रालय ने एक अन्य बयान में बताया कि बीते बुधवार को आकाश प्राइम हथियार प्रणाली का लद्दाख में अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में सफल परीक्षण किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मोकामा से बेगूसराय जा रही 5 महिला तस्कर गिरफ्तार, 50 लीटर विदेशी शराब जब्त

पटना। पटना के बाढ़ अनुमंडल के हाथीदह थाना पुलिस ने पांच महिला शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। महिलाओं के पास से 50 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई है। इसमें टेट्रा पैक और 180 एमएल की बोतलें शामिल हैं। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ महिलाएं मोकामा से शराब लेकर बेगूसराय जा रही हैं। पुलिस ने राजेंद्र सेतु पर वाहन जांच शुरू की। इस दौरान कुछ महिलाएं झोला और बैग लेकर ऑटो स्टैंड की तरफ जा रही थीं। महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका और तलाशी ली।

बेगूसराय और पटना की रहने वाली महिलाएं: गिरफ्तार महिलाएं बेगूसराय और पटना जिले की रहने वाली हैं। ये सभी एक गिरोह का हिस्सा हैं जो शराब तस्करी में संलिप्त हैं। पुलिस इनका आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। सभी आरोपियों को थाने लाया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

यूपी से लाकर बेगूसराय में खपाई जानी थी: गिरफ्तार महिलाओं में मरांची निवासी रिंकी देवी, चिन्ता देवी, रेखा देवी, सिमरिया घाट निवासी मंजूरिया देवी, सावित्री देवी शामिल हैं। शराब उत्तर प्रदेश से लाया जा रहा था और इसे बेगूसराय में खपाने की तैयारी थी।

वैशाली में आकाशीय बिजली से 48 घंटे में 5 मौत, धान रोपते समय किसान की गई जान

हाजीपुर। वैशाली में आकाशीय बिजली गिरने से 48 घंटों के अंदर पांच लोगों की मौत हो गई है। राजापाकर थाना क्षेत्र के भलुई गांव में गुरुवार शाम 6:30 बजे धान रोपते समय किसान ललन कुमार राय(57) की मौत हो गई। राघोपुर थाना क्षेत्र के चांदपुरा पंचायत में बुधवार को क्रिकेट खेल रहे युवकों पर बिजली गिरी। श्रीरामपुर के 18 वर्षीय विपिन कुमार और चांदपुर के 20 वर्षीय विजय कुमार की मौके पर मौत हो गई। इस घटना में मुकुल कुमार, प्रिंस कुमार और एक अन्य युवक घायल हुए। घायलों को पीएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महिला समेत 2 की मौत: लालगंज थाना क्षेत्र के पीरापुर गांव में धान रोपते समय बिजली गिरने से इंदु देवी(53) की मौके पर ही मौत हो गई। वे प्रमोद राम की पत्नी थीं। बिदुपुर थाना क्षेत्र में चक सिकंदर ढाला के पास 17 वर्षीय देव कुमार की बिजली गिरने से मौत हो गई। वे बाजार से डीजल लेकर बाइक से लौट रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मुजफ्फरपुर में स्कूल वैन कदाने नदी में पलटी, तीन बच्चे हुए घायल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में स्कूल वैन कदाने नदी में पलट गई। हादसे में वैन में सवार तीन बच्चे घायल हो गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ड्राइवर नशे की हालत में था। ग्रामीणों ने बच्चों को गाड़ी से बाहर निकाला। इलाज के स्थानीय अस्पताल में एडमिट कराया गया। घायलों की पहचान निर्शन सहनी की पुत्री अनुष्का कुमार (6), आरोही कुमारी (8) और सोनू सहनी की बेटी नैना कुमारी (7) के तौर पर हुई है। वैन को ट्रैक्टर की मदद से नदी से बाहर निकाला है। घटना कुढ़नी थाना क्षेत्र के केरमा डीह गांव की है।

सभी बच्चे सुरक्षित, ग्रामीणों ने बचाया: प्रत्यक्षदर्शी विशाल कुमार ने बताया कि अचानक गाड़ी अनियंत्रित होकर नदी में पलट गई। हमलोग तीनों बच्चा को बाहर निकाला। ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। हादसे के बाद मौके से भाग गया। तीन बच्चों को चोटें आई हैं, सभी सुरक्षित हैं। ऋतु देवी ने कहा, 'सुबह 9 बजे वैन से बच्चे स्कूल के लिए निकले थे। कुछ देर के बाद पता चला कि गाड़ी पलट गई है। जिसके बाद गांव के लोग मौके पर पहुंचे और बच्चों को बचाया।'

जांच में जुटी पुलिस: वहीं, कुढ़नी थानाध्यक्ष पुनीत कुमार ने बताया कि तीन बच्चे चोटिल हुए थे। तीनों का प्राथमिक उपचार करवा दिया गया है। अभी तक किसी ने आवेदन नहीं दिया है। पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

प्रॉपर्टी डीलर बोला- मुखिया पति ने मुझे हथियार दिखाकर धमकाया, वीडियो सामने आया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के कांटी इलाके के एक शख्स ने पुलिस से मुखिया पति के खिलाफ शिकायत की है। कहा है कि मुखिया पति ने गुरुवार की देर रात हथियार लेकर उसके घर पहुंचे और हथियार दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने मेरी हत्या की धमकी देने के साथ-साथ मेरे बच्चों की भी हत्या कर देने की धमकी दी। मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें शिकायतकर्ता और आरोपी मुखिया पति दिख रहा है। पीड़ित कहता है कि मुझे मार दीजिए, आरोपी मुखिया पति कहता है कि अभी मार दूंगा। आरोपी मुखिया पति सीसीटीवी पीड़ित की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पूरे मामले में जांच की बात कही है। सामने आए वीडियो में आरोपी मुखिया पति की पहचान दामोदरपुर गांव के रहने वाले मोहम्मद परवेज आलम के रूप में की गई है। परवेज आलम की पत्नी का नाम अफसाना परवीन है, जो दामोदरपुर पंचायत की मुखिया है। वीडियो में परवेज आलम शराब के नशे में दिख रहा है। बातचीत और धमकी देने के दौरान उसकी जुबान लड़खड़ा रही है। वहीं, शिकायतकर्ता की पहचान मोहम्मद अली असगर के रूप में हुई है।

शिकायतकर्ता बोला- आरोपी मुखिया पति के खिलाफ कई मामले पहले से दर्ज: शिकायतकर्ता मोहम्मद अली असगर ने बताया है कि मुखिया पति मोहम्मद परवेज आलम दबंग है और आपराधिक छवि वाला है। उसके खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं और वो जेल भी जा चुका है। शिकायतकर्ता ने कहा कि आरोपी अपने गुर्गों के साथ गुरुवार की रात मेरे घर पहुंचा और हथियार लेकर मुझे धमकाया। दोनों पहले एक साथ प्रॉपर्टी डिलिंग का काम करते थे। शिकायतकर्ता ने कहा कि आरोपी मेरे घर आया और पूर्व के एक जमीन के मामले में अपना हिस्सा मांगने लगा। कुछ पैसे मेरे पास हैं, जो मुझे मुखिया पति को देना है। इसी मामले को लेकर मुखिया पति मुझे धमकाने लगा और कहा कि मेरा हिस्सा वापस करो नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे बच्चों की हत्या कर दूंगा। इस दौरान मुखिया पति ने गाली-गलौच भी की।

'जबरन हथियार के बल पर पहले भी पैसा लेने की कोशिश कर चुका है': मोहम्मद अली असगर ने कहा कि पहले भी मुखिया पति परवेज आलम ने हथियार के बल पर पैसे लेने की कोशिश की है, जबरन चेक और सादे कागज पर सिग्नेचर भी करा चुका है। अब मुझे हत्या की धमकी दे रहा है। मैंने मामले को लेकर कांटी थाना की पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। आरोपी की ओर से शराब के नशे में घर आकर हत्या की धमकी देने के बाद से परिवार डरा हुआ है। मामले को लेकर डीएसपी वेस्ट सुचित्रा कुमारी ने बताया कि अली असगर नाम के शख्स की ओर से एक आवेदन दिया गया है, जिसमें मुखिया पति की ओर से धमकी दिए जाने का आरोप लगाया गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। शिकायतकर्ता और आरोपी के बीच पैसे को लेकर विवाद का मामला है।

पारस अस्पताल में गैंगस्टर के मर्डर में 6 बदमाश थे शामिल

एक बाहर रुका, 5 ने अंदर आकर मारी थी गोलियां, बक्सर में पिता ने दी मुखाग्नि

एजेंसी, पटना

पटना के पारस अस्पताल में भर्ती गैंगस्टर चंदन मिश्रा की अपराधियों ने अस्पताल के अंदर घुसकर हत्या कर दी। गुरुवार को शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में अस्पताल में घुसकर गोली मारी गई। इसका CCTV फुटेज भी सामने आया था। इसमें 5 अपराधी चंदन के वॉर्ड में घुसते दिख रहे थे। इस मामले में नई तस्वीरें सामने आई हैं। इसमें दिख रहा है कि हत्याकांड में 6 बदमाश शामिल थे। 2 बाइक से 6 लोग अस्पताल पहुंचे थे। एक बाहर रुका, बाकी पांचों अस्पताल के अंदर दाखिल हुए। वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। ये अपराधियों के वारदात के बाद भागने की तस्वीरें हैं। शुक्रवार को बक्सर के गंगा घाट पर चंदन मिश्रा का अंतिम संस्कार किया गया। पिता मंटू मिश्रा ने इकलौते बेटे को मुखाग्नि दी। इस दौरान बक्सर और आसपास के जिलों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे।

CCTV से पुलिस ने की शूटर्स की पहचान: पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर 3 शूटर्स की पहचान की है। इसमें फुलवारी शरीफ के रहने वाला तौसिफ उर्फ बादशाह, बक्सर के

ब्रह्मपुर के रहने वाला बलवंत सिंह और बेलाउर के रहने वाला मोनू सिंह शामिल है।

अपराधियों की जब्त होगी संपत्ति: ADG कुंदन कृष्णन ने कहा है कि बिहार पुलिस चंदन हत्याकांड को चुनौती के रूप में ली है। अपराधियों को गिरफ्तार करने में सीनियर SP, IG और पुलिस पदाधिकारी जुटे है। उन्होंनने कहा कि 5 शूटर्स अस्पताल में घुसे थे, एक बाहर बैठा था। अपराधी किस रास्ते से आए और किस रास्ते से गए, कौन-कौन साजिश करने वाले हैं, सबकुछ पता चल जाएगा। अपराधियों की संपत्ति भी जब्त की जाएगी।

15 जुलाई को एडमिट हुआ था चंदन: गैंगस्टर चंदन मिश्रा 15 जुलाई की सुबह पारस अस्पताल में एडमिट हुआ था। चंदन मिश्रा 15 जुलाई की सुबह करीब नौ बजकर 57 मिनट पर राजाबाजार स्थित पारस एचएमआरआइ अस्पताल में भर्ती किया गया था। उसका उसी दिन फिस्टुला का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद गैंगस्टर चंदन मिश्रा को प्राइवेट वार्ड के कमरा नंबर 209 में शिफ्ट कर दिया गया था। जानकारी के मुताबिक 16 जुलाई को ही चंदन मिश्रा को अस्पताल से डिस्चार्ज की सलाह दी गई थी, लेकिन गैंगस्टर और उसके साथ वालों ने गुरुवार को अस्पताल से ले जाने की बात कही।

कमरा नंबर 209 के गेट का लॉक खराब था: बताया जाता कि गैंगस्टर चंदन मिश्रा प्राइवेट वार्ड के जिस कमरे(209) में एडमिट था। उसका लॉक खराब था। इसलिए दरवाजा बंद नहीं होता था। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे बदमाश जिस अंदाज में गैंगस्टर के कमरे तक आते हैं, उससे यह कयास लगाया जा रहा है कि उन्हें पहले से सब पता था। इसलिए वो सीधे कमरा नंबर 209 के पास रुकते हैं और बेधड़क दरवाजा खोलकर अंजर घुस जाते हैं।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू यादव को झटका

सुप्रीम कोर्ट का निचली अदालत की कार्रवाई पर रोक से इनकार

एजेंसी, पटना

लैंड फॉर जॉब केस में लालू प्रसाद यादव को दिल्ली हाईकोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक के लिए लालू की मांग वाली याचिका को ठुकरा दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश में हस्ताक्षेप करने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। इसके साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट को मामले की सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने लोअर कोर्ट की कार्यवाही में पेशी से छूट देते हुए लालू यादव को थोड़ी राहत जरूर दी है।

बता दें कि लैंड फॉर जॉब मामले में निचली अदालत की सुनवाई पर रोक लगाने के लिए लालू प्रसाद यादव सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सुनवाई की और याचिका खारिज कर दिया। इससे पहले लालू प्रसाद की इस मांग को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि कार्यवाही पर रोक लगाने का कोई ठोस कारण नहीं है। इसके बाद लालू प्रसाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

दिल्ली की कोर्ट में चल रही है सुनवाई

झूठ बोलने बिहार आ रहे PM मोदी: लालू: PM नरेंद्र मोदी आज यानी शुक्रवार को बिहार दौरे पर मोतिहारी पहुंच रहे हैं। उनके बिहार आने से पहले सियासत गरमा गई है। RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने PM मोदी पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया X पर लिखा- झूठ बोलने आज बिहार आ रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी। क्या आप झूठ सुनना पसंद करेंगे? इसके साथ ही एक तस्वीर शेयर की है, जिस पर लिखा है 'गुरुत्वाकर्षण बल वस्तु को जमीन की ओर खींचता है, चुनावाकर्षण बल व्यक्ति को बिहार की ओर खींचता है।'

पटना में किसानों ने स्टील की चादर से बनाई नाव

एजेंसी, पटना

गंगा नदी में लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण पटना जिले में किसानों ने अनोखा जुगाड़ किया है। बाढ़ के रैली गांव के किसानों ने स्टील की चादर और लकड़ी से नाव बना ली है। इस खतरनाक नाव की मदद से वो डूबती फसलों को बचा रहे हैं। नाव की कमी को देखते हुए किसानों ने यह रास्ता निकाला। स्टील की चादर को एक तरफ से मोड़कर उसमें लकड़ी का पाया लगाया जाता है। फिर कांटी ठोककर नाव का आकार दिया जाता है। एमसील से लकड़ी और चादर के बीच की जगह को भर दिया जाता है, जिससे पानी अंदर न जाए। नाव का दूसरा हिस्सा चौड़ा रखा जाता है ताकि वह आसानी से तैर सके।

NTPC कर्मचारी से मिली तकनीक: यह तकनीक उन्हें बाढ़ NTPC में काम करने वाले एक कर्मचारी से मिली। पंडारक प्रखंड के रैली गांव के किसान इस जुगाड़ नाव से गंगा नदी पार कर अपनी फसलें बचा रहे हैं। बाढ़ के कारण दियारा क्षेत्र में सैकड़ों एकड़ फसल पानी में डूब रही है। इस नाव की मदद से किसान एक किनारे से दूसरे किनारे तक फसल काटकर अपने घर ला पा रहे हैं। इस नाव को बनाने वाले ग्रामीण बताते हैं कि इस तरह के नाव में चार छोटे-छोटे बच्चे आसानी से आना-जाना कर सकते हैं।

पालीगंज में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का आरोप, पति समेत पूरा परिवार फरार

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज अनुमंडल स्थित दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के पनसारी गांव में एक विवाहिता की दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगा है। मृतक की पहचान अशोक यादव की 24 वर्षीय पत्नी प्रीति कुमारी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच के लिए पटना FSL टीम को सूचित कर दिया गया है। परिजन का आरोप है कि दहेज की मांग के लिए महिला की पीट-पीटकर हत्या की गई है। हत्या के बाद पूरा ससुराल पक्ष मौके से फरार हो गया। महिला का 3 वर्षीय बेटा

3 साल का बच्चा भी गायब केस दर्ज

भी लापता है। महिला की मौत से उसके मायके पक्ष में कोहराम मचा हुआ है।

2020 में हुई थी शादी: मृतक महिला के पिता अजय यादव ने बताया कि 2020 में पनसारी गांव के अशोक यादव से अपनी बेटी प्रीति कुमारी की शादी हिंदू रीति रिवाज से की थी। शादी के कुछ दिनों के बाद से ही अशोक यादव और उसका पूरा परिवार दहेज में और रुपए और एक बाइक की मांग करने लगे। इसके बाद कई बार बेटी को पीटा गया और प्रताड़ना भी दिया गया।

दहेज हत्या का मामला दर्ज: पैसे और बाइक लेकर मेरी बेटी के ऊपर पूरा परिवार दबाव बना रहा था। आज मुझे गांव के लोगों से पता चला कि उनकी बेटी की मौत हो गई है, जिसके बाद हम सभी पहले थाना पहुंचे और थाना के साथ गांव में पहुंचा जहां देखा कि मेरी बेटी का शव रूम में पड़ा हुआ है। सभी लोग फरार हैं । थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि अजय यादव ने अपने दामाद और पूरे ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। घटना के बाद से सभी ससुराल वाले फरार है जिसे गिरफ्तारी में पुलिस की टीम लगी हुई है।

पटना समेत 25 जिलों में नया खेल भवन बनकर तैयार

मॉडर्न जिम से लेकर मल्टी पर्पस हॉल की सुविधा, इनडोर गेम्स की ट्रेनिंग

एजेंसी, पटना

बिहार में खेल को एक नई उड़ान देने के लिए राज्य के 38 जिलों में खेल भवन सह व्यायामशाला का निर्माण किया जा रहा है। अबतक पटना समेत 25 जिलों में खेल भवन बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि 13 जिलों में निर्माण का काम प्रगति पर है। जिन जिलों में नए भवन बनाए जा रहे हैं, उनमें मुंगेर, कैमूर, बक्सर, सुपौल, बेगूसराय जैसे जिले प्रमुख हैं।

क्या-क्या दी जाएंगी सुविधाएं: इस खेल भवन में कई सुविधाएं दी जाएंगी। हर एक खेल भवन में जिला खेल पदाधिकारी का कार्यालय, 50 सीटों की एसी मीटिंग रूम और उच्च गुणवत्ता वाले जिम उपकरणों से तैयार जिम्नैजियम शामिल है। साथ ही खिलाड़ियों की सुविधा के लिए लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम, एक मल्टी पर्पस हॉल भी है। इसमें ताइक्वांडो, वुशु, फेंसिंग, टेबल टेनिस, वेटलिफ्टिंग, कबड्डी जैसे इनडोर खेलों की प्रशिक्षण और प्रतियोगिताएं

आयोजित की जा सकती हैं।

खेल भवनों के लिए 10.26 करोड़ की राशि स्वीकृत: खेल विभाग ने हाल ही में मौजूदा खेल भवनों के लिए 10.26 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से आरओ वॉटर प्यूरीफायर, जनरेटर सेट, सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम और साइन बोर्ड्स की स्थापना की जाएगी, जिससे खेल परिसर और अधिक सुरक्षित और उपयोगी बनेंगे। विभाग की ओर से कहा गया कि बिहार में खेल प्रतिभाओं को पहचान और मंच देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के अंतर्गत राज्य के हर जिले में इस खेल भवन की स्थापना की जा रही है।

पटना में लगातार बढ़ रहा गंगा का जलस्तर

पटना। राजधानी पटना में गंगा नदी का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। गांधी घाट, दीघा घाट, दानापुर और मनेर जैसे प्रमुख घाटों पर नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है या बहुत करीब पहुंच गया है। इस बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। गांधी घाट पर जलस्तर खतरे के स्तर से ऊपर रिकॉर्ड किया गया है, जबकि दीघा और दानापुर जैसे घाटों पर भी हालात चिंताजनक है। प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, गंगा समेत सोन, पुनपुन और गंडक जैसी सहायक नदियों के जलस्तर में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर, पटना द्वारा जारी ताजा बुलेटिन में बताया गया है कि पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है और कई घाटों पर यह चेतावनी और खतरे के निशान को पार कर चुका है।

पटना में एसबीआई से पकड़े गए 3 लुटेरे

एजेंसी, पटना

पीरबहोर थाना क्षेत्र के महेंद्रू स्थित SBI की शाखा से 3 लुटेरे पकड़े गए हैं। पहले से बैंक में लुटेरे मौजूद थे। एक रविंद्र कुमार नाम के कस्टमर 10,000 रुपए निकासी कर के बैंक से निकलने वाले थे। इसी बीच अपराधियों ने बैंक के अंदर ही खुदरा कराने के नाम पर उन्हें उलझा लिया। 500 के चार नोट अपराधियों ने कस्टमर को दिए और इसके बदले 100 के नोट लेने लगे। अपराधियों की गतिविधि देखकर SBI के मैनेजर भांप गए। क्योंकि पूर्व में इसी तरह की घटना इन्होंने की थी। मैनेजर ने सुरक्षा कर्मी से गेट बंद करा दिया और इसकी सूचना पीरबहोर थाने को दी। फौरन पुलिस पहुंचीं और सभी को हिरासत में लेकर थाने आई। इनके आपराधिक इतिहास के बारे में पता चला और पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए

♦ **बैंक में एक शख्स को किया टारगेट, मैनेजर ने गेट बंद कराया**

अपराधियों का नाम हरेंद्र तिवारी (55), जितेंद्र कुमार (36) और रंजन मिश्रा (50) है।

तीनों करते थे रेकी: बैंक के अंदर और आस पास ये तीनों अपराधी घूमकर रेकी करते रहते थे। जैसे कोई व्यक्ति बैंक से निकासी कर के निकलता था, उसे टारगेट करना शुरू कर देते थे। मौका मिलते उससे ठगी कर लेते थे, या उसके साथ छिनतई और लूट की घटना को अंजाम दे देते थे।

कांग्रेस ने पीएम के बिहार दौरे पर किया आगाह

कहा- हर चुनाव में बाजा लेकर आते हैं, लेकिन बारात कभी नहीं आती

एजेंसी, पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार दौरे पर हैं। वह पांचवीं बार बिहार आए हैं। PM मोतिहारी से 7196 करोड़ रुपए की सौगात दे रहे हैं। उनके बिहार आने से सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने PM मोदी को लेकर X पर एक पोस्ट किया है। यूथ कांग्रेस से शेयर की गई तस्वीर में PM मोदी और नीतीश कुमार बैंड-बाजा बजाते दिख रहे हैं। इस पोस्ट में लिखा है, सावधान बिहार, 'हर चुनाव में बाजा लेकर आते हैं, लेकिन बारात कभी नहीं आती।' वहीं, नीतीश कुमार के बाजे में पलटी एक्सप्रेस लिखा हुआ है। दूसरी ओर बिहार कांग्रेस के अकाउंट से शेयर की गई तस्वीर में एक आम आदमी चाय की दुकान पर चाय बनाते दिख रहा है। वह मायूस होकर कह रहा है 'मोदी जी कब देंगे मोतिहारी की चीनी, कब बनेगी मेरी चाय।' इसपर कैप्शन

लिखा है, 'जल गई चाय की केतली, मोदी जी कब दोगे मोतिहारी वाली चीनी ?' इस पोस्ट के माध्यम से कांग्रेस ने पीएम मोदी को मोतिहारी में चीनी मिल के वादों की याद दिलाई है।

वहीं, बेतिया में युवा कांग्रेस की ओर से पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टर के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने वादों की याद दिलाई गई है। शहर के एमजेके कॉलेज के गेट और सर्किट हाउस के बाहर लगाए गए पोस्टर पर लिखा है- का मोदी जी? अबकी बार मोतिहारी और चनपटिया के चीनी मिल के चीनी के चाय पीके जायेम नु ? "इसके साथ ही लिखा है- मेरा झूठ, सबसे मज़बूत, "फीकी चाय की दुकान। चाय वाले आ रहे हैं पूछ लीजिएगा।"

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर 22,000 डाटा एंट्री ऑपरेटर

11 सूत्री मांगों को लेकर गर्दनीबाग में कर रहे प्रदर्शन, सरकारी कामकाज ठप

एजेंसी, पटना

बिहार के लगभग 22,000 डाटा एंट्री ऑपरेटर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। समायोजन की मांग को लेकर ये सभी ऑपरेटर पटना के गर्दनीबाग स्थित धरना स्थल पर प्रदर्शन कर रहे हैं। हड़ताल के कारण पूरे राज्य में डाटा एंट्री से संबंधित कार्य ठप हो गया है, जिससे सरकारी कार्यों में गंभीर बाधा उत्पन्न हो रही है। प्रदर्शनकारी डाटा एंट्री ऑपरेटरों का कहना है कि जब तक सरकार उनकी सेवाओं का समायोजन नहीं करती, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया, तो सरकारी कामकाज और भी अधिक प्रभावित हो सकता है।

सरकार को 15 जुलाई तक का दिया था समय: मुकेश शर्मा ने बताया कि हमारा प्रमुख मांग सेवा समायोजन है और उसी को लेकर आज हम धरना पर बैठे हैं। हमने सरकार को 15 जुलाई तक का समय दिया था लेकिन सरकार ने इस मांग को लेकर कोई विचार नहीं किया है। हमारी 11 सूत्री मांग है, जिसमें प्रमुख मांग है कि विभागीय स्तर से भुगतान किया जाए। इस आउटसोर्सिंग व्यवस्था को खत्म किया जाए। इससे हमारा रोज दोहन हो रहा है। इस भुगतान से सरकार को भी फायदा होगा। अभी तत्काल में इसका आकलन किया जाए तो 250 से 300 करोड़ का राजस्व का बचत होगा। इसके बावजूद भी सरकार हमारे मांग पर कोई विचार नहीं कर रही है। हम लोग दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण है। उसके बाद भी परीक्षा दिए हैं हमें प्रशिक्षण मिला है। हम खुद मास्टर ट्रेनर है सभी पदाधिकारी को ट्रेनिंग देने का काम किए है। हमें निरंतर ठगने का काम किया गया है।

मांगे पूरी नहीं हुई तो भूख हड़ताल पर बैठेंगे: छात्रों ने आगे कहा कि हम मुख्यमंत्री से यही विनती करते हैं कि हम 22,000 बच्चों का कल्याण कर दे। हम भी आपके बच्चे ही हैं। हम निरंतर सरकार के सभी दायित्व और महत्वाकांक्षी योजनाओं में लगे रहते हैं। अभी वोटर पुनरीक्षण के काम में भी हमारे साथ ही लगे हुए हैं। वह लोकतांत्रिक व्यवस्था है इसलिए हम उसे काम में बाधा नहीं पहुंचा रहे हैं। हमारे साथी अभी भी अपने दायित्व को निभा रहे हैं। पूरे बिहार का सभी डीटीओ अभी बंद है। हम चाहेंगे कि जल्द से जल्द हमारी वार्ता सरकार से हो। यह आईटी डिपार्टमेंट के प्रधान सचिव से हो। हमारी मांग पूरी नहीं हुई तो हम भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने मोतिहारी से 7,200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी रहे मौजूद, अमृत भारत एक्सप्रेस की 4 नई ट्रेनों को दिखाई गई हरी झंडी

बीएनएम @ पटना, मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी स्थित गांधी मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास एवं राष्ट्र को समर्पण किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर रेल, सड़क, ग्रामीण विकास, सूचना प्रौद्योगिकी और मत्स्य विभाग से जुड़ी योजनाओं का शुभारंभ किया और 4 नई 'अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार सरकार ने युवाओं को पारदर्शिता से नौकरी और रोजगार दिए हैं। उन्होंने जीविका दीदी योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में बढ़ोतरी और विकासात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि नीतीश सरकार ने वृद्धजनों, दिव्यांगों और विधवाओं के लिए पेंशन राशि को 400 से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया है, जिससे करोड़ों लाभार्थियों को सीधा फायदा मिल रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि"यह गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज चंपारण की ऐतिहासिक धरती पर उपस्थित हैं। उनकी उपस्थिति में 8 रेल, 7 सड़क और 3 अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) व दीनदयाल अंत्योदय योजना के लाभार्थियों को राशि भी दी गई है, जिसकी कुल लागत 7217 करोड़ रुपये है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 में एनडीए सरकार बनने के बाद से बिहार के विकास की दिशा में लगातार कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि पहले राज्य का बजट 24 हजार करोड़ था, जो अब 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। मुख्यमंत्री ने सात निश्चय योजना, हर घर बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, और हर टोले तक पक्की सड़क जैसी योजनाओं की उपलब्धियों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि "अब तक 10 लाख सरकारी नौकरियां दी गई हैं और 39 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। आने वाले पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा भी की जा चुकी है और कैबिनेट में इसकी स्वीकृति दी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि 430 नई योजनाओं के लिए 50 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है, जिससे राज्य की कमियों को दूर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जुलाई 2024 के बजट में प्रधानमंत्री ने बिहार को सड़क, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण के लिए विशेष सहायता दी। इसके अलावा, फरवरी 2025 के बजट में मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट, और पश्चिमी कोसी नहर परियोजना के लिए राशि दी गई है। उन्होंने 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' के बिहार में सफल आयोजन को राज्य के लिए गौरव की बात बताया और प्रधानमंत्री का आभार जताया। अंत में मुख्यमंत्री ने जनसभा में उपस्थित जनता से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के कार्यों के लिए खड़े होकर उनका अभिवादन करें। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुली जीप में जनसमूह का अभिवादन स्वीकार किया।

दलित-गरीब अब डर में नहीं, सम्मान के साथ जी रहे है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जनधन खाता, महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा को बताया सरकार की प्राथमिकता

बीएनएम@मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मोतिहारी में आयोजित विशाल जनसभा में अपने संबोधन के दौरान कहा कि 'अब वो दिन नहीं रहे जब दलित और महादलित भाइयों को डर के साये में जीना पड़ता था।' उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस के शासनकाल में लोगों को रंगाई-पुताई तक कराने से डर लगता था कि कहीं अपहरण न हो जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बिहार माता-बहनों के आशीर्वाद और जनभागीदारी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा—'एक समय था जब महिलाओं को दस रुपये भी छुपाकर रखने पड़ते थे। बैंक में कोई खाता नहीं था। लेकिन हमारी सरकार ने हर महिला के नाम से जनधन खाता खुलवाया है। यह केवल खाता नहीं, उनके आत्मसम्मान और आर्थिक स्वतंत्रता का रास्ता है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों के आत्मसम्मान की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है और इसी सोच के साथ सरकार ने हर वर्ग, विशेषकर महिलाओं, दलितों, महादलितों और पिछड़ों के सशक्तिकरण की दिशा में कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब बिहार में कानून का राज है, भयमुक्त समाज है, और लोग विकास में भागीदार बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मोतिहारी के 13 वर्षीय अनुराग गुप्ता की राम मंदिर कलाकृति को किया स्वीकार, बोले – "मेरी चिट्ठी जरूर मिलेगी आपको"

बीएनएम@मोतिहारी

भीड़ के बीच कार्टून से बनाए मॉडल ने खींचा प्रधानमंत्री का ध्यान

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मोतिहारी में आयोजित जनसभा के दौरान स्थानीय बाल कलाकार अनुराग गुप्ता द्वारा बनाए गए राम मंदिर के मॉडल को सार्वजनिक मंच से स्वीकार कर सराहना की। उन्होंने कहा "यहां एक नौजवान पूरा राम मंदिर बनाकर ले आया है। क्या भव्य काम किया है। मुझे लगता है वो मुझे भेंट करना चाहता है। इस पर अपना नाम-पता लिख देना, मेरी चिट्ठी जरूर मिलेगी आपको।" मोतिहारी नगर निगम के सिंघिया गुमटी, वार्ड नं. 01 निवासी 13 वर्षीय अनुराग, स्थानीय मॉडर्न पब्लिक स्कूल में कक्षा 7 के छात्र हैं। उनके पिता कामेश्वर साह दवा व्यवसायी हैं, जबकि मां सरिता कुमारी आंगनबाड़ी सेविका हैं। अनुराग ने बताया कि यह मॉडल उन्होंने अपनी दुकान से निकलने वाले 5 किलो कार्टून, गोंद और ड्राइंग कलर की मदद से आठ दिनों में तैयार किया, जिसकी लागत लगभग 100 आई। मॉडल में पिलर, गुंबद, राम दरबार सहित intricate डिज़ाइन शामिल हैं, जिसे उन्होंने खुद अपने हाथों से काटा, चिपकाया और रंगा। प्रधानमंत्री के मंच पर बोलते समय जब उनकी नजर अनुराग पर पड़ी, तो उन्होंने सुरक्षा बल को इशारा कर मॉडल मंगवाया और उसे स्वीकार कर मंच से ही अनुराग की प्रतिभा और मेहनत की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा "जहां सीता माता का नित्य स्मरण होता है, वहां से अयोध्या की भव्य मंदिर की कलाकृति पाकर मैं अभिभूत हूं। नौजवान, मैं तुम्हारा आभारी हूं।" अनुराग के पिता कामेश्वर साह ने बताया कि प्रधानमंत्री से भेंट का सपना अनुराग का था, जो आज पूरा हुआ। वहीं, उनके चाचा व बीपीएससी शिक्षक नकुल कुमार ने कहा कि अनुराग बेहद मेहनती और रचनात्मक बच्चा है, जो अक्सर कुछ न कुछ नया बनाते रहता है। धार्मिक परिवार में पले-बढ़े अनुराग पर उनके दादा-दादी की अयोध्या यात्राएं और रामायण कथाओं का विशेष प्रभाव पड़ा है। यही प्रेरणा उनके इस प्रयास की नींव बनी। प्रधानमंत्री द्वारा दी गई यह मान्यता मोतिहारी ही नहीं, पूरे बिहार के लिए गर्व का क्षण है। यह न केवल अनुराग की कला को मान्यता है, बल्कि यह दर्शाता है कि मेहनत, श्रद्धा और सृजनशीलता का सम्मान जरूर होता है चाहे वह किसी भी उम्र का हो।

रघुनाथपुर से गाजे-बाजे के साथ मंत्री कृष्णनंदन पहुंचे पीएम की सभा में, उमड़ा जनसैलाब

बीएनएम@तुरकौलिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मोतिहारी में आयोजित ऐतिहासिक सभा में भाग लेने के लिए गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान रघुनाथपुर स्थित अपने आवास से गाजे-बाजे और भारी उत्साह के साथ निकले। उनके काफिले में हज़ारों की संख्या में लोग शामिल थे जो 'मोदी-मोदी' के नारे लगाते हुए पूरे रास्ते में जोश और उल्लास का माहौल बना रहे थे। मंत्री के काफिले में भाजपा के वरीय नेता दीपक शर्मा, हरसिद्धि के पार्टी संयोजक राजकिशोर सिंह कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष निकेश सिंह, महेन्द्र सहनी, वीरेंद्र कुशवाहा, संजय प्रसाद, महामंत्री राहुल कुमार तिवारी, प्रदीप गुप्ता, दिलीप गुप्ता, अनिल सिंह, मुना ठाकुर, राजू सिंह, नारायण प्रसाद समेत भाजपा के हजारों कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस अवसर पर मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने कहा कि "प्रधानमंत्री की यह सभा ऐतिहासिक रही। यह चंपारण की धरती के लिए गौरव का क्षण है।" उन्होंने हरसिद्धि विधानसभा के कार्यकर्ताओं और आम जनता का आभार जताते हुए कहा कि जिस तरह जनसमूह ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर समर्थन दिया है, वह अतुलनीय है। सभा स्थल पर ओलाहा मेहता टोला के पैक्स अध्यक्ष राजकिशोर सिंह भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी अपने क्षेत्र से सैकड़ों समर्थकों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। सभा के दौरान मंत्री के नेतृत्व में हरसिद्धि क्षेत्र से आए लोगों ने एकजुटता और प्रधानमंत्री के प्रति अपनी निष्ठा को दर्शाते हुए आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

एनसीईआरटी ने की प्रशंसा, लाखों शिक्षक देशभर से जुड़े

टीचर्स ऑफ बिहार - द चेंज मेकर्स' बना देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी

बीएनएम@मोतिहारी

बिहार के शिक्षकों द्वारा वर्ष 2019 में शुरू किया गया समूह 'टीचर्स ऑफ बिहार - द चेंज मेकर्स' अब राष्ट्रीय पहचान बना चुका है। यह समूह आज देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (PLC) के रूप में उभर चुका है, जिसकी प्रशंसा स्वयं राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) भी कर चुकी है।

समूह की शुरुआत पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने जनवरी 2019 में कुछ समर्पित शिक्षकों के साथ मिलकर की थी। शिव कुमार ने बताया कि आज इस समूह से बिहार ही नहीं, बल्कि देश के कई राज्यों के लाखों शिक्षक सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़ चुके हैं। ये शिक्षक प्रतिदिन अपने विद्यालयों में किए जा रहे नवाचारों, गतिविधियों और शैक्षिक प्रयोगों को साझा करते हैं, जिससे अन्य शिक्षक प्रेरणा लेकर अपने विद्यालयों में भी इसे अपनाते हैं। राज्य के सरकारी विद्यालयों में इस प्रयास का सकारात्मक असर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार को लेकर 'टीचर्स ऑफ बिहार' की पहल एक जनांदोलन का रूप ले चुकी है। तकनीकी टीम के प्रमुख इंजीनियर शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने बताया कि हजारों शिक्षक बिना किसी स्वार्थ के इस मुहिम में योगदान दे रहे हैं। इन शिक्षकों ने ठान लिया है कि बिहार को शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल कराना है।

प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार और प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि समूह के द्वारा शिक्षकों और छात्रों के लिए कई ई-पत्रिकाएं नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं जिनमें शिक्षक और विद्यार्थियों के श्रेष्ठ कार्यों को मंच मिलता है। इन पत्रिकाओं में दैनिक ज्ञानकोश, चेतना, पद्यपंकज, गद्यगुंजन, प्रज्ञानिका, बालमन और बालमंच प्रमुख हैं। मृत्युंजय कुमार ने राज्य के सभी शिक्षकों और छात्रों से 'टीचर्स ऑफ बिहार' से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि, 'आइए, हम सब मिलकर एक उन्नत, समृद्ध और बदलते बिहार के शैक्षिक वातावरण का निर्माण करें।'

तुरकौलिया में तीन भैंस चोर गिरफ्तार

बीएनएम@तुरकौलिया

स्थानीय थाना क्षेत्र के बिजुलपुर सेड़ा परती इलाके में पुलिस ने ग्रामीणों की सतर्कता से तीन भैंस चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनकी पहचान फिलहाल गोपनीय रखी गई है। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एक भैंस को खगनी सरेह के रास्ते पैदल ले जा रहे थे। सुनसान जगह पर संदिग्ध तरीके से भैंस ले जाते देख ग्रामीणों को शक हुआ। जब उन्होंने पूछताछ की तो तीनों युवक घबरा गए और मौके से भागने लगे। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से तीनों को मौके पर ही दबोच लिया गया। उनके पास से एक चोरी की भैंस भी बरामद की गई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि भैंस कहां से चोरी कर लाए थे और गिरोह में और कौन-कौन शामिल है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे गिरोह की तलाश शुरू कर दी गई है और जल्द ही अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी भी संभव है।

मासूमियत बाजारवाद की भीड़ में भटक गई है: बिमल सर्राफ

बीएनएम@रक्सौल

"मासूम उम्र को बहुत संभालकर रखने की ज़रूरत होती है, वरना मन भटक सकता है और भावनाएं प्रदूषित हो सकती हैं।" यह विचार लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता लायन बिमल सर्राफ ने प्रेस से बातचीत में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज के बाजारवादी और अत्याधुनिक युग में मासूमियत कहीं खोती जा रही है। बच्चों का मन मलिन हो गया है और उनकी भावनाएं कुम्हला रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर इसका ज़िम्मेदार कौन है? प्रश्न तो अनेक हैं, लेकिन जवाब ढूंढना आज की सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है।

बिमल सर्राफ ने कहा कि एकल परिवारों में पल रहे मासूम बच्चे जितने अकेले और उपेक्षित आज महसूस कर रहे हैं, वैसी स्थिति पहले कभी नहीं रही। आधुनिकता का सबसे गहरा असर बच्चों पर ही पड़ा है। जिन अबोधों को माता-पिता के स्नेह और दादा-दादी की कहानियों की ज़रूरत होती है, उनके हाथों में मोबाइल और टीवी थमा दिए गए हैं।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि बालमन कल्पना और यथार्थ के बीच अंतर नहीं कर पाता, और टीवी या मोबाइल पर देखी चीजें वह यथार्थ जीवन में ढूंढ़ने लगता है। इससे उसका स्वभाव उद्दंड होता जा रहा है।

सर्राफ ने कहा कि किशोरों में आ रहे बदलाव को लेकर मनोविज्ञानी भी चेतावनी दे रहे हैं। उनके अनुसार यह परिवर्तन नकारात्मक है, जो हिंसा, अपराध, अश्लीलता और फैशन के प्रति आकर्षण में अधिक परिलक्षित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि कभी भारत में इस उम्र को संयम, ब्रह्मचर्य और आत्मसंयम से जोड़कर देखा जाता था। गुरुकुल परंपरा में किशोर अवस्था तक मानसिक और शारीरिक मजबूती पर बल दिया जाता था, पर आज यह परंपरा केवल एक किंवदंती बनकर रह गई है।

बिमल सर्राफ ने अंत में कहा कि यदि हम आज के किशोरों को मार्गदर्शन नहीं देंगे, तो उनका भविष्य केवल कल्पना का विषय बनकर रह जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बखरी से देवघर के लिए रवाना हुए कांवरिया

बखरी(बेगूसराय): सावन महीना की शुरू होने के साथ ही बखरी अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का देवघर बाबा बैद्यनाथ धाम जाने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को बखरी नगर परिषद क्षेत्र से मित्र मंडली कांवरिया संघ का जत्था देवघर के लिए रवाना हुआ।लगभग तीन दर्जनों की संख्या में श्राद्धालु देवघर व अन्य धार्मिक स्थलों के यात्रा के लिये रवाना हुए इस दौरान काँवरियों के द्वारा सुल्तानगंज से पवित्र जल भर कर पैदल लगभग 105 किलोमीटर की कांवर यात्रा करते हुए प्रसिद्ध देवघर में बाबा बैधनाथ व बाबा बासुकीनाथ को सावन की दूसरी सोमवारी को जलापर्ण करेंगे। मित्र मंडली कांवरिया संध के जत्था को नेतृत्व कर रहै प्रशांत सोनी ऊर्फ रंजीत सोनी ने बताया कि वो लोग 2001 से ही पैदल देवधर जाते रहै है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार कि सुबह कांवरियों का जत्था नगर के सभी मंदिरों में पूजा अर्चना के उपरांत मुख्य मार्ग पर डीजे की धून पर जुलूस निकाला। जुलूस में शामिल मित्र मंडली कांवरिया संध की टोली नगर परिषद के विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना के बाद वाहनों से सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ।जिसमे पवन चौधरी,संजीत साहब,श्रवण साहब,कौशल किशोर क्रांति,कोमल आर्य,धीरज कुमार,पिन्टू कुमार,गौरव कुमार आदि लोग शामिल है।

बखरी विधानसभा उमीदवार शिवचंद्र पासवान का बड़ा दावा "जन सुराज ही जीतेगा बखरी सीट"

बखरी, बेगूसराय (बिहार) बिहार की सियासत में हलचल तेज हो गई है, खासकर बेगूसराय जिले के बखरी विधानसभा क्षेत्र में। जन सुराज पार्टी के बखरी विधानसभा प्रत्याशी और वर्तमान में प्रखंड प्रमुख शिवचंद्र पासवान ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया, "बखरी विधानसभा की सीट इस बार जन सुराज पार्टी जीतेगी।"शिवचंद्र पासवान इन दिनों लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं और जन संवाद कार्यक्रमों के जरिए जनता से सीधा संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने स्थानीय समस्याओं को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि अब जनता बदलाव चाहती है। जनता में उत्साह, शिवचंद्र पासवान को मिल रहा है समर्थन जन संवाद के दौरान स्थानीय लोगों में शिवचंद्र पासवान के प्रति खासा उत्साह देखा गया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी और स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने यह भी कहा कि "जन सुराज पार्टी का उद्देश्य सिर्फ सत्ता में आना नहीं, बल्कि स्वराज की भावना को जमीन पर उतारना है। बखरी के लोग अब जात-पात से ऊपर उठकर विकास की राजनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं।"

जमीन दान देने के चार दशक बाद बना वभनगामा में अस्पताल

चम्पारण केशरी

नावकोठी. बेगूसराय प्रखंड के महेशवारा पंचायत के वभनगामा में चार दशक बाद अस्पताल बनने से लोगों में हर्ष है.बिहार विधान सभा चुनाव 2020 में ग्रामीणों के सहयोग से आन्दोलन किया गया था.अस्पताल नहीं तो वोट नहीं.फलस्वरूप लंबे संघर्ष के बाद बभनगामा में उपस्वास्थ केन्द्र का निर्माण हुआ है.पटना विश्ववघालय के पूर्व छात्रसंघ महासचिव बिपुल कुमार ने बताया वर्ष 2020 कोरोना व बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान गावं के युवा महिला व बुजुर्ग को एकसाथ कर अस्पताल निर्माण को लेकर आंदोलन हुआ था.अस्पताल नही तो वोट नही का नारा दिया था.उस समय ग्रामिणों ने जनप्रतिनिधियों का चुनाव में विरोध किया था.बिपुल ने बताया उसी एकता का परिणाम है कि वभनगामा में अस्पताल संचालित हो पाया है.इसके निर्माण से गावं के आस पास के लोग भी स्वास्थ्य सेवा का लाभ ले रहे हैं.स्थानीय ग्रामीणों के साथ सीएचओ विक्रान्त कुमार से मुलाकात कर हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के बारे में विस्तृत जानकारी ली.अस्पताल संचालन में यथा संभव सहयोग का भरोसा दिया.

जन सुराज की हसनपुर विधानसभा प्रत्याशी इंदु गुप्ता के अभियान से बड़े नेताओं की नींद उड़ी

हसनपुर, बिहार — आगामी विधानसभा चुनावों की सरगर्मी के बीच हसनपुर सीट पर जन सुराज की प्रत्याशी इंदु गुप्ता ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। लगातार क्षेत्रीय दौरों और सक्रिय जनसंपर्क से वे न केवल जनता का विश्वास जीत रही हैं, बल्कि बड़े राजनीतिक दलों के लिए भी चुनौती बनकर उभरी हैं गांव-गांव जाकर जनसंवाद कर रही इंदु गुप्ता की टीम, जन सुराज के विजन और नीतियों को घर-घर पहुंचा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और पारदर्शी प्रशासन जैसे मुद्दों को लेकर जनता से जुड़ने की इस कोशिश ने परंपरागत राजनीति की नींव को हिला दिया है। स्थानीय स्तर पर मिल रहे व्यापक जनसमर्थन और उनके अभियान की रणनीतिक पकड़ से यह साफ हो गया है कि हसनपुर की सियासत अब पुराने ढर्रे पर नहीं चलने वाली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यही रफ्तार बरकरार रही, तो हसनपुर विधानसभा सीट का परिणाम चौंकाने वाला हो सकता है। इंदु गुप्ता के बढ़ते प्रभाव से बड़े दलों के नेताओं की रणनीतियों में फेरबदल शुरू हो गया है — और यही दिखाता है कि जन सुराज अब केवल विकल्प नहीं, एक सशक्त संभावना बन चुका है।

अन्तर्राष्ट्रीय अभियान में चिन्हित स्थलों पर नगर परिषद बगहा द्वारा कराया जा रहा है पौधारोपण

एक पेड़ मां के नाम

बीएनएम @बगहा

कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार बैठा के निर्देशन में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत वार्ड नंबर 9 में स्थित बटेशरा माई स्थान एवं कब्रिस्तान प्रांगण में दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की दीदियों के द्वारा पौध रोपित किया गया।इस अवसर पर सभापति पुष्पा गुप्ता,उप सभापति रश्मी रंजन, एवं वार्ड पार्षद मोहम्मद इमरान की

गरिमा मयी उपस्थिति रही। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज पौधरोपण का शुभारम्भ सभापति पुष्पा गुप्ता, उपसभापति रश्मि रंजन एवं वार्ड पार्षद मोहम्मद इमरान द्वारा पौध रोपित करके किया गया।पौधरोपण से पूर्व नगर मिशन प्रबंधक विनोद कुमार सिंह ने समूह की दीदियों और उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी और इस अंतर्राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने का अनुरोध किया। सभापति पुष्पा गुप्ता ने पर्यावरण को सुरक्षित करने में एक पेड़ मां के नाम अभियान की अहम् भूमिका बताते हुए समूह की दीदियों और उपस्थित लोगों से इस अभियान का हिस्सा बनने की अपील ।इस क्रम मे उप सभापति रश्मी रंजन के द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा की बात रखते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपित पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी समूह की दीदियों के साथ साथ यहां रह रहे लोगों की भी नैतिक जिम्मेदारी की बात कही । साथ ही उपस्थित लोगों से इस अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्य का हिस्सा बनने की अपील की। वार्ड पार्षद मोहम्मद इमरान ने नगर परिषद बगहा के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्रम में बटेशरा माई स्थान एवं कब्रिस्तान प्रांगण में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम को एक अनूठी पहल बताते हुए काफी सराहना की और पौधों की सुरक्षा और देखभाल की नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए उपस्थित समूह की दीदियों और उपस्थित आम जनमानस से अनुरोध किया कि पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए रोपित पौधों की समुचित देखभाल आवश्यक है।इस क्रम में नगर मिशन प्रबंधक विनोद कुमार सिंह ने पौधारोपण करने वाली समूह की दीदियों को एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत रोपित पौधों को बेटा और समूह की दीदियों को मां का दर्जा देते हुए अपने बेटे जैसा पौधों की देखभाल करने का अनुरोध किया गया।इस क्रम में सभी उपस्थित गणमान्य लोगों एवं के बीच नगर मिशन प्रबंधक के द्वारा एक पेड़ मां के नाम का नारा लगाते हुए समूह की दीदियों को संकल्प दिलाया गया।

वार्ड नंबर 9 में स्थित बटेशरा माई स्थान एवं कब्रिस्तान के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत समूह की दीदियों के द्वारा 60 पौध रोपित किए गए। जिसमें अमरूद, जामुन,नीम , आंवला आदि पेड़ शामिल हैं। इस अभियान में सामुदायिक संगठक प्रियंका द्विवेदी के द्वारा समूह की दीदियों से पर्यावरण संरक्षण की जानकारी देते हुए समन्वय स्थापित कर महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। आज के पौधरोपण कार्यक्रम में सामुदायिक संसाधन सेवी नीतू ,सुपरवाइजर रविन्द्र कुमार , अवधेश कुमार , सफाई साथी दीक्षा आदि के द्वारा उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया।

जनसुराज की संभावित उम्मीदवार स्मिता चौरसिया के द्वारा बिहार बदलाव सभा का किया गया आयोजन

बीएनएम @बगहा

बगहा विधानसभा क्षेत्र में जनसुराज की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने और संगठन को मजबूत आधार देने के उद्देश्य से शुक्रवार को पारस नगर स्थित बउकी माई स्थान परिसर में 'बिहार बदलाव सभा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनसुराज की संभावित प्रत्याशी स्मिता चौरसिया ने की, जबकि संचालन पूर्व मुखिया रामू चौधरी ने किया।

सभा में बड़ी संख्या में जनसाधारण, सामाजिक कार्यकर्ता और जनसुराज के समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान स्मिता चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार के विकास के लिए नयी सोच, साफ नीयत और मजबूत नेतृत्व की ज़रूरत है। उन्होंने कहा – "स्कूल का बस्ता, विकास की रास्ता" – यह केवल नारा नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की बुनियाद है। उन्होंने बताया कि जनसुराज का उद्देश्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में व्यवस्था परिवर्तन लाना है। बदलाव सभा के माध्यम से पूरे विधानसभा क्षेत्र में घूमकर प्रशांत किशोर के विचारों को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। साथ ही समाज के सक्रिय युवाओं, महिलाओं और बुद्धिजीवियों को संगठन से जोड़ने का काम भी किया जा रहा है। सभा के दौरान नए कार्यकर्ताओं को सदस्यता ग्रहण करवाई गई, और उन्हें सम्मान चिह्न देकर प्रोत्साहित भी किया गया। स्मिता चौरसिया ने स्पष्ट किया कि जनसुराज का विस्तार विचारों के आधार पर किया जा रहा है, ना कि जाति या धर्म के आधार पर। सभा में भाग लेने वालों में उत्साह दिखा और सभी ने एक सुर में कहा कि बिहार में बदलाव अब ज़रूरी है और जनसुराज ही इसके लिए सही विकल्प है।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर 11:45 बजे पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर किया लैंड

बीएनएम @ मोतिहारी

- कड़ी सुरक्षा के बीच प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पहुंचे सभास्थल।
- सभास्थल पर पहुंचने के बाद सभास्थल पर बने पक्की सडकों पर किया रोडशो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हेलीकॉप्टर आज शुक्रवार को 11:45 बजे पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर लैंड किया, जहां एनडीए के नेताओं ने उक्त दोनों का भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात कडी सुरक्षा के बीच प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को गांधी मैदान स्थित सभास्थल पर पहुंचे, जहां सभास्थल पर बने सडकों पर रोडशो किया। इस दौरान महिलाएं व जीविका दीदीयों पुष्प वृष्टि कर जोडदार स्वागत किया और प्रधानमंत्री हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया व लोगों का आशीर्वाद बटोरे। लोगों ने एक स्वर में मोदी- मोदी की नारों से पूरे सभास्थल को गुंजायमान कर दिया। बता दे कि मोदी आज चम्पारण की धरती से बिहार को साढ़े सात करोड़ रुपये का सौगात दिया है।

295 बालिकाओं को लगा एचपीवी टीका: चकहमीद नदेल और सोनमा सिमरी में हुआ सफल टीकाकरण अभियान

बीएनएम @बखरी

चकहमीद नदेल एवं सोनमा सिमरी के विद्यालयों में शुक्रवार को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत कुल 295 बालिकाओं को वैक्सीन दी गई। यह अभियान कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहमीद नदेल और उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोनमा सिमरी में चलाया गया। सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा की दिशा में मजबूत कदम डॉ. दीपक कुमार सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि एचपीवी वायरस महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है, जो हर साल हजारों की संख्या में जानें लेता है। यह वैक्सीन 9 से 14 वर्ष की आयु की बालिकाओं को दी जाती है और समय पर लेने पर यह उन्हें इस घातक बीमारी से प्रभावी ढंग से बचाती है। समाज के सहयोग से सुरक्षित भविष्य

यूनिसेफ के एसएमसी सदस्य राजेश कुमार ने कहा कि यह अभियान स्वस्थ समाज और सुरक्षित भविष्य के निर्माण की दिशा में एक मील का पत्थर है।

वहीं स्वास्थ्य प्रबंधक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि यह वैक्सीन न केवल सर्वाइकल कैंसर, बल्कि गुदा और जननांग कैंसर से भी सुरक्षा देती है। अभिभावकों से अपील डॉ. सिंह ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को समय पर एचपीवी टीका अवश्य दिलवाएं, ताकि उन्हें भविष्य में किसी बड़ी बीमारी से जूझना न पड़े।सामूहिक प्रयास से सफलता इस अभियान को सफल बनाने में WHO मॉनिटर अम्बर कुमार, यूनिसेफ प्रतिनिधि रंजीत कुमार, फार्मासिस्ट प्रभात कुमार, प्रधानाध्यापक मनोज कुमार सिंह, एएनएम शांति कुमारी, और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों व विद्यालय स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

अब सभी 38 जिलों के शहरी क्षेत्र में पाईपलाईन से पहुंचाई जाएगी रसोई गैस

बीएनएम @

- राज्य में रसोई गैस के रूप में पीएनजी का अब बढ़ेगा इस्तेमाल, सरकार ने दी मंजूरी
- 30 लाख पीएनजी घरेलू गैस कनेक्शन देगी बिहार सरकार
- स्वच्छ ऊर्जा के लिए शहरी गैस नीति 2025 को मिली मंजूर
- करीब 650 सीएनजी स्टेशनों का होगा निर्माण

अब राज्य के सभी 38 जिलों के शहरी क्षेत्र में पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस अर्थात पीएनजी की आपूर्ति रसोईघरों में की जाएगी। बिहार सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बिहार शहरी गैस वितरण नीति, 2025 को मंजूरी दे दी है। बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता विभाग ने बीते 15 जुलाई को इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है। इस नीति को मंजूरी देने के बाद शहरी क्षेत्रों में अब पीएनजी घरेलू गैस कनेक्शन दिए जाएंगे। इस नीति को मंजूरी मिलने से औद्योगिक, वाणिज्यिक, परिवहन और घरेलू उपयोग के लिए प्राकृतिक गैस मुहैया करवाना आसान होगा। इसके लिए शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। सभी 38 जिलों में छह शहरी गैस वितरण इकाईयों के माध्यम से करीब 30 लाख पीएनजी घरेलू गैस दिए जाएंगे। साथ ही, करीब 650 सीएनजी स्टेशनों का निर्माण प्रस्तावित है।

शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार के लिए संबंधित तेल कंपनियों एवं विभागों से विमर्श के बाद सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति तैयार की गई है। राज्य सरकार की इस नीति से घरेलू एवं औद्योगिक क्षेत्रों के लिए प्राकृतिक गैस का वितरण आसान हो जाएगा। घरेलू इस्तेमाल के लिए पीएनजी और परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी का उपयोग बढ़ाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

साथ ही, शहरी गैस वितरण नीति, 2025 के निर्धारण से राज्य में प्राकृतिक गैस को हरित और स्वच्छ ईंधन के रूप में अपनाने को बढ़ावा मिलेगा। वहीं औद्योगिक, वाणिज्यिक, परिवहन और घरेलू उद्देश्यों के लिए इसके उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। इस नीति से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी जो कि देश की प्रतिबद्धता में भी योगदान निभाएगा।

भारत सरकार की तरफ से देश में इस्तेमाल की जा रही ऊर्जा में प्राकृतिक गैस की भागीदारी वर्ष 2030 तक 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पाने में बिहार सरकार की यह पहल काफी मददगार साबित होगी। प्राकृतिक गैस के रूप में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) की आधारभूत संरचना का विस्तार ग्रामीण, शहरी एवं औद्योगिक क्षेत्रों तक विकसित किया जाना है। माना जा रहा है कि बिहार शहरी गैस वितरण नीति, 2025 को मंजूरी मिलने के बाद साफ सुथरी ऊर्जा के रूप में प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा।

दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं जीविका प्रबंध इकाई के द्वारा महिलाओं को बकरी वितरण किया गया

बीएनएम @बगहा

नगर परिषद बगहा क्षेत्रांतर्गत पूर्व में सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत परंपरागत रूप से ताणी/शराब उत्पाद से जुड़े परिवार एवं अत्यंत निर्धन परिवार का सर्वेक्षण दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं जीविका प्रबंध इकाई के द्वारा ड्राइव चलाकर संयुक्त रूप से किया गया था।इस क्रम में बगहा 2 के वार्ड नं एक की अत्यंत निर्धन परिवार से आशा देवी (आराध्या स्वयं सहायता समूह), लालमती देवी (अनुमति स्वयं सहायता समूह), वार्ड नंबर 3 में उर्मिला देवी (मोहन स्वयं सहायता समूह), मुन्नी देवी (अन्नपूर्णा स्वयं सहायता समूह) एवं विन्दावती देवी को जीविकोपार्जन हेतु बकरी पालन व्यवसाय के लिए सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत बकरी उपलब्ध कराया गया। उक्त योजना के अंतर्गत दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की 4 सदस्यों को लाभ प्राप्त हुआ। बताते चलें कि वार्ड नंबर 1 की लीलावती देवी और आशा देवी को 9-9बकरी, वार्ड नं 3 की उर्मिला देवी और मुन्नी देवी को 9-9 बकरी और वार्ड नंबर 3 की विन्द्रावती देवी को 10 बकरी, बकरी पालन कर आजीविका संवर्धन हेतु उपलब्ध कराया गया। सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में बकरी पालन हेतु बकरी वितरण के क्रम में जीविका प्रबंध इकाई के सामुदायिक समन्वयक देवेन्द्र कुमार, मास्टर संसाधन सेवी निभा कुमारी, नगर मिशन प्रबंधक विनोद कुमार सिंह, सामुदायिक संगठक प्रियंका द्विवेदी, सामुदायिक संसाधन सेवी किरन कुमारी और नीतू देवी उपस्थित रही।

राज्य में 90 फीसदी बिजली उपभोक्ताओं को पूरी तरह मुफ्त बिजली

बीएनएम @

- बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी, 90 प्रतिशत उपभोक्ताओं को फायदा
- राज्य में कुल घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या 1 करोड़ 86 लाख 60 हजार
- इस घोषणा से 1 करोड़ 67 लाख 94 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगी पूरी तरह मुफ्त बिजली
- मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के विस्तारीकरण के लिए 3797 करोड़ रुपये मंजूर

राज्य सरकार ने सभी बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त देने की घोषणा को पूर्ण रूप से अमलीजामा पहना दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इस विशेष कैबिनेट में बिजली से संबंधित सिर्फ इसी एक एजेंडे को पेश किया गया, जिस पर मुहर लगी। बिहार में पहली बार यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने ऊर्जा भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। यह नई व्यवस्था 1 अगस्त 2025 से लागू होगी। यानी जुलाई महीने के बिजली के बिल पर यह पूर्ण अनुदानित बिजली का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य में कुल घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या 1 करोड़ 86 लाख 60 हजार है। इनमें 125 यूनिट तक बिजली की मासिक खपत करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या एक करोड़ 67 लाख 94 हजार है, जो कुल घरेलू उपभोक्ताओं का 90 प्रतिशत है। इन उपभोक्ताओं को अब बिजली का बिल नहीं देना पड़ेगा। इससे अधिक यानी 125 यूनिट से अधिक बिजली की खपत करने पर बिजली पर पहले से लागू टैरिफ के हिसाब से बिजली का बिल देना होगा।

इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के विस्तारीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अतिरिक्त रुपये 3797 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस वर्ष 19 हजार 792 करोड़ रुपये के वित्तीय भार का वहन राज्य सरकार को करना पड़ेगा। अगले वित्तीय वर्ष से यह राशि बढ़ती जाएगी। कैबिनेट में लिए निर्णय के अनुसार, इसके साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम 1.1 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को पूर्ण वित्तीय सहायता एवं अन्य घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की भी स्वीकृति दी गई है। साथ ही यह वितरण कंपनियों की नवीकरणीय उर्जा खरीद (आरपीओ) बाध्यता को पूरा करने में मददगार साबित होगा और इससे काफी बड़ी मात्रा में बिजली की जरूरत को नवीकरणीय स्त्रोतों से पूरा किया जा सकेगा। राज्य के सभी घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 125 यूनिट प्रति माह तक यादि शत-प्रतिशत अनुदान पर बिजली दी जाती है। उनके घर की छतों पर अथवा सार्वजनिक स्थलों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाता है, तो राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को विशेष कर कम बिजली खपत करने वाले सभी उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ होगा। इससे न सिर्फ इन घरेलू उपभोक्ताओं को बिना रूके बिजली मिलेगी, बल्कि सौर ऊर्जा उत्पाद को भी बढ़ावा मिलेगा।

पंप स्टोरेज नीति को मिली स्वीकृतिः राज्य सरकार ने इस वर्ष 15 जुलाई से बिहार पंप स्टोरेज संवर्धन नीति, 2025 को स्वीकृति प्रदान की है। यह नीति राज्य में स्वच्छ और सतत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने, ऊर्जा भंडारण की लंबे समय तक व्यवस्था करने तथा ग्रिड को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पंप स्टोरेज तकनीक, विशेष रूप से सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों की अनियमितता को संतुलित करने में उपयोगी सिद्ध होती है और बिहार जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था के लिए यह अत्यंत उपर्युक्त समाधान है। इन निवेशकों की सुविधा के लिए ऊर्जा विभाग एक विशेष एक खिड़की प्रणाली विकसित कर रहा है। ताकि परियोजनाओं की मंजूरी की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो सके। राज्य सरकार ने यह भी घोषणा की है कि इन परियोजनाओं को स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण में छूट दी जाएगी, जिससे निवेशकों का प्रारंभिक वित्तीय बोझ कम हो सकेगा। इस नीति के अंतर्गत सरकार सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी मॉडल को अपनाने जा रही है। यह नीति बिहार को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इससे सतत ऊर्जा उत्पादन को बल मिलेगा। साथ ही निवेश, नवाचार और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

ईओएल वाहनों को राहत

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर केंद्र के आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी में समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों (ईओएल) में ईंधन भरने पर प्रतिबंध के कार्यान्वयन को एक नवम्बर तक स्थगित करने का फैसला किया है। दिल्ली में अब यह अभियान राष्ट्रीय राजधानी से सटे पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के साथ इसी साल एक नवम्बर से शुरू किया जाएगा। ईओएल वाहन 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल चालित वाहन और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन हैं। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। इस फैसले का क्रियान्वयन शुरू होते ही जनाक्रोश बढ़ा तो दिल्ली सरकार को अहसास होने लगा कि यह फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी लगने लगा कि यह फैसला समय से पहले उठा लिया गया कदम है। क्रियान्वयन में परिचालनगत और ढांचागत चुनौतियां भी समझ आने लगीं। सरकार के हाथ-पांव फूलने लगे और उसने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) से ईओएल के खिलाफ कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। इस पर सीक्यूएम ने समीक्षा बैठक करके इस फैसले पर फिलवक्त रोक लगाने का निर्णय लिया है। दरअसल, यह फैसला जब नवम्बर में लागू किया जाएगा तब भी दिल्ली सरकार को तमाम चुनौतियों का सामना करना होगा। एक तो यह क्रियान्वयन इतना सख्त है कि एक भी ईओएल बचने नहीं पाएगा। ऐसे में जब्ती होगी। पुराने वाहन से वाहन स्वामियों का भावनात्मक लगाव होता है, इसके अलावा कई वाहन स्वामी अपने वाहनों को अच्छे से मेंटेन करके रखते हैं और उन्हें लगता है कि उनके वाहन प्रदूषणकारी नहीं हैं, जो सच भी होता है, तो ऐसे में उनकी जब्ती उन्हें पच नहीं सकेगी। बीते दिनों इस फैसले के क्रियान्वयन के पहले ही दिन जिस तरह वाहन पेट्रोल पंपों पर जब्त करके वाहन स्वामियों को 'पैदल कर दिया गया उससे खासा जनाक्रोश पनपा।

खनन के कारण संकट में वन्य प्राणी

राज कुमार सिन्हा

खनन के लिए गढ़चिरौली में 1.23 लाख पेड़ काटे जाएंगे गढ़चिरौली के आदिवासी समुदाय और नागरिक संगठन ने महाराष्ट्र और केन्द्र सरकार से मांग की है कि गढ़चिरौली में खनन संबंधी सभी मंजूरियां और गतिविधियों का रोका जाए और पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए), विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) आदि सहित पूर्ण पारिस्थितिक, जल विज्ञान और सामाजिक आकलन के साथ सभी अनुमोदनों की समीक्षा करें। वनों और बाघ गलियारे को संरक्षित क्षेत्रों के रूप में मान्यता दें और वन अधिकार अधिनियम, 2006 और पेसा कानून के तहत विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। ग्राम सभाओं का पारदर्शी जन सुनवाई के माध्यम से आदिवासी समुदायों के निर्णयों का सम्मान किया जाए।

क्या हो रहा है- गढ़चिरौली, जहां महाराष्ट्र का 70% से ज़्यादा वन क्षेत्र है, खनन संबंधी गतिविधियों के कारण विनाश के कगार पर है। यह क्षेत्र गोंड और माडिया जनजातियों जैसे अनगिनत मूलनिवासी समुदायों के लिए सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा का काम करता है। फिर भी, ओम साईं स्टील्स एंड अलॉयज़ प्राइवेट लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील्स लिमिटेड, सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियां राजनीतिक समर्थन से इसे खनन का केंद्र बना रही है। हाल ही में, लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी को गढ़चिरौली रिजर्व फ़ॉरेस्ट में 937 हेक्टेयर वन भूमि पर स्थित एक लाख से ज़्यादा पेड़ों को काटकर लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने के प्रस्ताव के लिए पर्यावरणीय मंज़ूरी मिल गई है। इसका मतलब यह भी है कि भारत के सबसे महत्वपूर्ण बाघ गलियारों में से एक नष्ट हो जाएगा। सुरजागढ़, कोंसारी, दुर्गापुर और इंद्रावती सहित कई खनन और प्रसंस्करण परियोजनाएं चल रही हैं। हैरानी की बात यह है कि कई पर्यावरणीय स्वीकृतियां ग्राम सभा (ग्राम परिषद) से परामर्श या सहमति के बिना ही दे दी गई हैं, जो कि पेसा (अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार), 1996 और वन अधिकार अधिनियम, 2006, दोनों के तहत आवश्यक है। गढ़चिरौली में 1,567 गांव हैं, जिनमें से 1,311 पेसा के अंतर्गत आते हैं। इस संरक्षण के कारण, इस क्षेत्र में खनन संबंधी गतिविधियां ग्रामीणों की सहमति के बिना नहीं हो सकती। फिर भी, स्थानीय लोगों का कहना है कि जनसुनवाई के दौरान उन्हें बहिष्कृत या धमकाया जाता है, जिससे उनकी आवाज़ अनसुनी हो जाती है। कोई पूर्व और सूचित सहमति नहीं होती है।

बैठक और परामर्श अक्सर दूर-दराज जगहों पर आयोजित किए जाते हैं, जिससे प्रभावित ग्रामीणों के लिए उनमें शामिल होना मुश्किल हो जाता है। सुरक्षा का बहाना बनाकर, अधिकारी स्थानीय आवाज़ों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं।

सामाजिक प्रभाव- इस क्षेत्र में औद्योगिक और खनन परियोजनाएं न केवल आदिवासी समुदायों के पवित्र वनों पर अतिक्रमण कर रही हैं, बल्कि कई प्रजातियों के प्राकृतिक वन्यजीव आवासों को भी नष्ट कर रही हैं। महुआ और तेंदू संग्राहकों, निर्वाह कृषकों और वन-निर्भर समुदायों की आजीविका खतरे में है, क्योंकि वन भूमि का उपयोग बिना किसी सहमति या सुरक्षा उपायों के खनन और अन्य औद्योगिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। उनमें से कई लोगों को उनकी आजीविका के नुकसान की भरपाई के लिए आकर्षक नौकरियों का झूठा वादा किया जा रहा है, लेकिन अंततः उन्हें सुरक्षा गार्ड जैसी नौकरियों में धकेल दिया जाता है, और खनन से संबंधित श्रम कार्यों में भी लगाया जाता है। बाहरी लोगों के आगमन के साथ, लिंग-आधारित हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है। महिलाएं उत्पीड़न में वृद्धि, अकेले बाहर निकलने में डर और अपने ही घरों, अपने गांवों में बढ़ती असुरक्षा की भावना की शिकायत करती हैं। खनन, दमन और प्रतिरोध नामक 2023 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी सुरक्षा, स्वायत्तता और जीवनशैली धीरे-धीरे कम होती जा रही है।

पारिस्थितिकीय परिणाम- बड़े कॉर्पोरेट संगठनों द्वारा संचालित अधिकांश खनन परियोजनाएं प्रतिपूरक वनरोपण का वादा करती हैं। वनरोपण के लिए चुने गए स्थल लगभग हमेशा प्रभावित क्षेत्रों से मीलों दूर होते हैं, जिससे कोई वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं होता है। लौह अयस्क प्रसंस्करण में अयस्क के लाभकारीकरण और धूल नियंत्रण के लिए काफ़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। प्रसंस्करण के लिए पानी के अत्यधिक उपयोग से भूजल स्तर में कमी आ सकती है,

जिससे पानी की कमी का ख़तरा बढ़ सकता है। लाखों पेड़ों को काटने से सुरक्षात्मक वनस्पति और ऊपरी मृदा नष्ट हो जाएगी, जिससे यह क्षेत्र मृदा अपरदन, मृदा क्षरण और नदियों में गाद जमा होने के प्रति संवेदनशील हो जाएगा। लौह अयस्क खनन से नदियों में रासायनिक अपशिष्ट प्रवाहित होते हैं, जिससे मीठे पानी का रंग लाल हो जाता है और वह पीने योग्य नहीं रह जाता। संयंत्र से निकलने वाला पानी भारी मात्रा में तलछट और धातुओं को भी नदियों में ले जाता है, जिससे पानी की गुणवत्ता और भी गिर जाती है और प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। इससे न केवल आस-पास रहने वाले स्थानीय आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य पर, बल्कि इन जल स्रोतों पर निर्भर वन्यजीवों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसा माना जाता है कि इस क्षेत्र के लोग सिलिकोसिस, निर्जलीकरण और जठरांत्र संबंधी जलन जैसी विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हो जाएंगे। खदान के बंद होने के लंबे समय बाद भी लौह अयस्क शरीर के सामान्य द्रव नियमन में बाधा डाल सकता है। वनों की कटाई और मृदा अपरदन के कारण नदियों में तलछट में वृद्धि होगी, जिससे गढ़चिरौली बाढ़ के प्रति और भी अधिक संवेदनशील हो जाएगा, जिससे फसलों, घरों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचेगा।

मानव और वन्यजीव संघर्ष- गढ़चिरौली में घना जंगल का एक पारिस्थितिकी तंत्र है जो ताडोबा और इंद्रावती टाइगर रिजर्व को जोड़ता है, जो बाघों, तेंदुओं और हाथियों के लिए एक महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारा है। कई खनन परियोजनाएं, जैसे कि लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी का हालिया प्रस्ताव, बाघ गलियारे के दायरे में आने के बावजूद, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से मंज़ूरी नहीं ले पा रही हैं। इस तरह के अतिक्रमण से क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा है। जब वन्यजीवों पर खतरा मंडराता है और उनके आवास छीन लिए जाते हैं, तो वह जंगलों से निकलकर रिहायशी इलाकों में आ जाते हैं, जिससे मानव- वन्यजीव संघर्ष का खतरा बढ़ जाता है। अकेले चंद्रपुर जिले में, मई 2025 में बाघों के हमलों में 11 से ज़्यादा लोगों की जान चली गई।यह स्थिति और भी बदतर हो सकती है। क्योंकि मनुष्य जंगली आवासों पर अतिक्रमण कर रहे हैं। गढ़चिरौली में जो हो रहा है, वह आदिवासी समुदायों के सम्मान, लोकतंत्र और भविष्य पर हमला है। जंगलों का सफाया किया जा रहा है, नदियों को ज़हरीला किया जा रहा है और पवित्र भूमि को अपवित्र किया जा रहा है और यह सब मुनाफे के लिए हो रहा है। इसलिए आदिवासी समुदाय और नागरिक समाज क्षेत्र में खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर पर्यावरणविदों के एक समूह ने केंद्र सरकार, राजस्थान सरकार और बाघ संरक्षण प्राधिकरण से तत्काल अपील की है और अरावली पहाड़ियों में खनन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरिस्का बाघ अभयारण्य (एसटीआर) की सीमाओं में बदलाव के प्रस्ताव पर अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह निर्णय एक चिंताजनक मिसाल कायम कर सकता है और देश भर में वन्यजीव संरक्षण प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।इस संबंध में पर्यावरण समूह पीपुल फॉर अरावली ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राजस्थान के मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को ज्ञापन सौंपा है। सरिस्का बाघ अभयारण्य की सीमाओं को पुनः निर्धारित करने का उद्देश्य है कि कम से कम 50 संगमरमर, डोलोमाइट, चूना पत्थर और चिनाई की खदानों को फिर से अनुमति देना। जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के पिछले आदेश के बाद बंद कर दिया गया था।

दादी-नानी की लोरियों से दूर होता बचपन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बचपन हर गम से बेगाना होता है...। यह 1975 की फिल्म 'गीत गाता चल' का किशोर कुमार का गया गीत है। इस दौर के गीत को हम सबने कभी न कभी जरूर सुना होगा। और कभी न कभी दादी के घर से मामा के घर जाने पर वहां भी नानी से लोरियां और कहानियां सुनी होंगी। अब दादी-नानी की कहानियां बीते जमाने की बात हो गई हैं। इन कहानियों और लोरियों के सकारात्मक संदेश सुनकर पली-बढ़ी पीढ़ी आज का मौजूदा परिदृश्य देखकर हैरान है। अब के बच्चे इस सामाजिक दायरे से कट चुके हैं। वैश्विक अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। 1996 से 2010 की पीढ़ी इस तथ्य को अभी समझ नहीं पा रही है पर इन अध्ययनों ने साफ कर दिया है कि हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी से संवेदनशीलता और अच्छे-बुरे की बात करने का कोई मायने नहीं रख जाएगा। दरअसल आज के बच्चों की दुनिया में मोबाइल फोन गहरे तक घर कर चुका है। टीवी स्क्रीन पर खुराफाती, हिंसात्मक, नकारात्मक और दुश्चक्र रचते धारावाहिक उनके दिल और दिमाग को मथ रहे हैं। इसका नतीजा है कि बच्चों में हिंसा, बदले की भावना और ईर्ष्या की भावना पनप रही है। उन्हें बंद कमरों में अकेला रहना रास आने लगा है। मोबाइल में आत्मघाती गेम्स खेलना शगल बन चुका है। इस परिदृश्य से कभी-कभी रिश्ते भी तार-तार होने लगे हैं। अपने में सिमटती इस पीढ़ी से देश और समाज को सकारात्मकता दे पाने की उम्मीद बेमानी लगने लगी है। दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही कपोल कल्पित होती थीं पर वह कोमल मन को सकारात्मक संदेश देती थीं। बच्चों में पढ़ने-पढ़ाने की आदत डाली जाती थी। पुस्तकालय में जाकर बच्चे ज्ञान अर्जित करते थे। आज पुस्तकालय का अर्थ किराये के स्थान पर बना केबिननुमा दड़बा हो गया है। किताबें भी ऐसी होती हैं कि वह रास नहीं आतीं। एक जमाने में ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें, समाचार पत्र-पत्रिकाएं आदि होते थे। अब पढ़ने-पढ़ाने की आदत ही समाप्त होती जा रही है। एक समय था जब वार्षिक परीक्षाओं के बाद बारी-बारी से दादी-नानी के घर घमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात यह कि सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चे होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था। चंदा मामा, चंपक सहित बहुत सी बच्चों की पत्रिकाएं घर में होना और बच्चों के पास होना गौरव की बात माना जाता था। खैर यह बीते जमाने की बात हो गई है। अब तो गूगल गुरु ने लगभग सभी को इससे दूर कर दिया है। डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है। बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर ने पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है। कोरोना के बाद तो बच्चे पढ़ने के लिए मोबाइल के दास हो गए। अब तो स्कूलों में भी सभी संदेश मोबाइल पर ही देने का चलन चल गया है और इससे स्कूल की डायरी का भी कोई महत्व नहीं रह गया है। ऐसे में मोबाइल ही सबका माध्यम बन गया है। एक समय था जब बच्चों को कोर्स में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकों के इतर मानसिक और चारित्रिक विकास वाले साहित्य को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता था। आज पंचतंत्र, हितोपदेश की कहानियां यह पीढ़ी नहीं जानती। सोशल मीडिया, आभासी दुनिया, एकल और प्रतिस्पर्धात्मक पारिवारिक स्थिति ने बालपन से उनका बचपन छीन लिया है। अवकाश के दिनों में दादा-दादी या नाना नानी के घर जाने का रिवाज बंद हो गया। अब लोग उन्हें पिकनिक या पर्यटन स्थल पर ले जाते हैं। इसलिए सोच में बदलाव की आवश्यकता है।

हिन्दी को लेकर फिर से विवाद

नवल किशोर कुमार

हिन्दी भाषा को लेकर फिर से विवाद गरमा गया है। इस बार विवाद भाजपा शासित महाराष्ट्र में सामने आया है। हिन्दी को अनिवार्य बनाने की कोशिशों को झटका लगा है। वहां मराठीभाषियों के विरोध को देखते हुए सरकार को अपने कदम खींचने पड़े हैं। हालिया मराठी-हिन्दी विवाद की शुरु आत नई शिक्षा नीति-2020 के तहत त्रिभाषा फॉर्मूले को चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाने को लेकर हुई। राज्य शिक्षा विभाग की ओर से प्रस्ताव आया कि-कक्षा एक से दसवीं कक्षा तक हिन्दी की पढ़ाई शुरू की जाए ताकि विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा के लिए बेहतर रूप से तैयार किए जा सकें। महाराष्ट्र में पचास के दशक से ही मराठी पहचान को लेकर राजनीति जारी है। मराठी भाषा का सवाल उस दौर से ही बेहद संवेदनशील मुद्दा रहा है। यह केवल शिक्षा नीति से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय अस्मिता से भी इसका नाभि-नाल का संबंध है। हालांकि इसके पहले दक्षिण भारत के राज्यों खासकर तमिलनाडु में केंद्र सरकार की पहल का तीखा विरोध हुआ। हालांकि यह विवाद कोई नया विवाद नहीं है। आजादी के पहले से यह चला आ रहा है लेकिन मूल सवाल यह है कि अब यह विवाद क्यों गहराता जा रहा है? तो इसका जवाब यह है कि नई शिक्षा नीति के तहत राज्यों को तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ाने का निर्देश दिया गया है। इसे लेकर विवाद क्यों है, इसे इस तरह से समझा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल में बांग्ला स्थानीय भाषा है, जिसे वहां राजकीय शासन-प्रशासन में इस्तेमाल में लाया जाता है। बांग्ला के अलावा वहां अंग्रेजी को सरकारी मान्यता प्राप्त है, और शिक्षण संस्थानों में भी। अब केंद्र सरकार का कहना है कि वहां तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी भी शामिल की जाए। यही स्थिति उन सभी राज्यों में है, जहां की स्थानीय भाषा को पहले से ही सरकारी मान्यता प्राप्त है। यह सवाल कि हिन्दी का विरोध क्यों किया जा रहा है, तो इसके पीछे एक बड़ा सवाल अस्मिता और संस्कृतियों से जुड़ा है। यदि हम तमिलनाडु की ही बात करें तो वहां द्रविड़ संस्कृति रही है, और तमिल को सबसे प्राचीन भाषा का सम्मान भी प्राप्त है। वहां हिन्दी का विरोध कर रहे लोगों का हमेशा तर्क रहा है कि हिन्दी को शामिल करने से हिन्दी से संबंधित संस्कृतियों का समावेशन होगा जिससे द्रविड़ संस्कृति को नुकसान पहुंचेगा।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको बिजनेस में बढ़िया धनलाभ होने के संकेत मिल रहे हैं। इस राशि की जिन महिलाओं को बिजनेस शुरू करना है, उनको घरवालों का पूरा साथ मिलेगा। आज जीवनसाथी के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा, आप कहीं घूमने – फिरने जा सकते हैं। छात्रों को आज बाहर जाकर पढ़ने का मौका मिलेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप बिजनेस के मामलों में सोच – समझकर ही निर्णय लेंगे। आज ऑफिस का काम समय पर पूरा हो जाने से आपके मन को शांति मिलेगी और आप नए टारगेट बनाएंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलने से पढ़ने में सहायता मिलेगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जो आपकी तरक्की में सहायक होंगे। छात्र आज अपने अटके कार्य को पूरा करने में सफल रहेंगे। अगर आप इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो आज आपकी सफलता के योग बन रहे हैं। आज आप अपने किसी दोस्त की आर्थिक मदद करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा, काम में पेरेंट्स का सहयोग मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। आज आपको बच्चों की सफलता से खुशी मिलेगी और बच्चों में भी आत्मविश्वास बना रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने भी जा सकते, आपके बीच प्यार व सम्मान बढ़ेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन सुनहरा रहने वाला है। आज आलस्य को त्याग कर कुछ नया करने का दिन है। इस राशि के जो लोग सामाजिक सेवा क्षेत्र से जुड़े हैं, उनका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा और आपको कुछ बड़ा करने की प्रेरणा मिलेगी। काफी दिनों से चल रही पारिवारिक उलझन, आज ख़त्म हो जाएगी। परिवार में खुशियां आएंगी, आप परिवार के साथ टूर प्लान कर सकते हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप किसी बड़ी योजना पर काम करने का सुझाव अपने माता-पिता के सामने रखेंगे, उनका आपको पूरा सहयोग मिलेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतर है कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे। आज आप काम को समय से पूरा करने के लिए नई तकनीकों का सहारा लेंगे, काम आसान और सरल हो जाएगा।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशी के पल लेकर आया है। प्राइवेट ऑफिस में नौकरी करने वालों को आज नए प्रोजेक्ट पर काम करने की जिम्मेदारी सौंप दी जाएगी। आप किसी जरूरतमंद की सहायता करेंगे, आपको खुशी मिलेगी। इस राशि के जो लोग खेलकूद से जुड़े हैं, उनको आज अपने कोच से कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा। आज आप कोई साहसिक कार्य करेंगे जिसमें आपकी सराहना होगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन बना रहेगा। आज आपके विवेक से आपका रुका हुआ कोई काम बन जायेगा। ऑफिस का माहौल सुकून भरा रहने से काम करने के तरीकों में सुधार होगा। आज जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बना रहेगा, रिश्तों में मधुरता आएगी। आज आप दिन भर की भागदौड़ के साथ अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें, अपना खान–पान ठीक रखें।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। अगर आप अपने बिजनेस से जुड़ी नयी ब्रांच ओपन करना चाहते हैं, तो घर वालों से इस विषय में बात कर सकते हैं। आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे मिलने के बाद दुनिया को देखने का आपका दृष्टिकोण बदल जायेगा।

मकर राशिः आज का दिन मिली – जुली प्रतिक्रिया देने वाला होगा। आज किसी काम की वजह से यात्रा करनी पड़ सकती है, जिसके अच्छे रिजल्ट आपको भविष्य में देखने को मिलेंगे। आज किसी की मदद से आपके सरकारी काम बनेंगे। इस राशि की महिलाएं जो घर से किसी काम की शुरुआत करना चाहती है, उनको जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी आवश्यक काम को पूरा कर लेंगे, जिससे आपको मानसिक सुकून मिलेगा। आज आप किसी से अपने मन की बात शेयर करेंगे वह आपकी बात को जरूर समझेगा। सामाजिक या धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान रहेगा, आपके मन मुताबिक़ कार्यसंपन्न होंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होगा, घर में सुख – सुविधाओं की बढ़ोतरी होगी। आज पूरी मेहनत व एकाग्रता से काम को करने का समय है, आपके काम में जल्द ही सफलता के योग बन रहे हैं।

इंदौर का स्वच्छता मॉडल जीवनशैली में बदलाव का अभियान

हर्षवर्धन पाण्डेय

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है। इंदौर ने 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटीज कैटेगरी में ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौरवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह शहर की स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और नगर निगम के बेहतरीन नवाचारों का परिणाम है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित इस सर्वेक्षण में इंदौर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक संस्कृति है। इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्य प्रदेश के अन्य शहरों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार मिला है। बाबा महाकाल की उज्जैन नगरी को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान मिला है। 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी सर्वश्रेष्ठ शहर बन कर उभरा है जबकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर पांचवें और ग्वालियर 14वें स्थान पर रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छता में प्रॉमिसिंग शहर का स्टेट अवार्ड ग्वालियर को मिला है। इसी तरह से 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में देवास प्रथम स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश ने कुल आठ राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए जिससे राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन की प्रेरणा और जनभागीदारी इस सफलता का आधार रहा। इंदौर की स्वच्छता की सफलता का श्रेय शहर के कचरा प्रबंधन, जन जागरूकता और नवाचारों को जाता है। इंदौर के स्वच्छता मॉडल ने शहर को कचरा-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंदौर में खुले में कचरा फेंकना पूर्णतः प्रतिबंधित है। शहर में कचरा डंपिंग को शून्य करने के लिए सभी कचरे की प्रोसेसिंग की जाती है। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है, जबकि सूखे कचरे को रिसाइकिल कर अनेक उत्पाद बनाए जाते हैं। इंदौर की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी भी है। स्वच्छता के प्रति नागरिकों का जुनून और सामूहिक प्रयास इस मॉडल को अनूठा बनाते हैं। नगर निगम ने विभिन्न जागरुकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया है। इंदौर ने कचरा प्रबंधन के लिए हाई-टेक सिस्टम विकसित किया है। कचरा संग्रहण वाहनों की हर गतिविधि को जीपीएस के माध्यम से ट्रैक किया जाता है। एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से हर सेकंड की गतिविधि की निगरानी की जाती है। इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा बायो-मीथेन गैस प्लांट स्थापित किया गया है जो गीले कचरे से बायो-गैस और खाद उत्पादन करता है। इसके अतिरिक्त, भारत का पहला पीपीपी मॉडल आधारित हरित कचरा प्रसंस्करण संयंत्र भी इंदौर में स्थापित है जो लकड़ी और

पत्तियों से पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाता है।एक दौर ऐसा भी था जब इंदौर की सड़कों पर कचरा देखा जाता था लेकिन आज यह शहर कचरे से सीएनजी और खाद बनाने में अग्रणी है। इंदौर नगर निगम ने कचरे के शत-प्रतिशत पृथक्करण और रीसाइक्लिंग को सुनिश्चित किया है।नगर निगम ने स्वच्छता के लिए कई नवाचार किए हैं। प्रत्येक घर से कचरा एकत्र करने के लिए उसने अनेक वाहन तैनात किए जिसने गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग करने की प्रक्रिया को जन-जन तक पहुंचाया। भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में इंदौर ने न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इंदौर ने लगातार आठ वर्षों (2017-2024) तक स्वच्छता सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया है जो अपने आप में मध्य प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। आज इंदौर का स्वच्छता मॉडल जनभागीदारी, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दक्षता का एक अनूठा संगम बना है। यह मॉडल न केवल भारत के अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन चुका है। इंदौर नगर निगम और जिला प्रशासन ने प्रतिदिन स्वच्छता को प्राथमिकता देने का काम किया है। नगर निगम ने कचरा प्रबंधन के लिए नवाचारी योजनाएं बनाई और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया, जिससे इंदौर की जनता ने स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाया। इंदौर ने न केवल स्वच्छता के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि यह अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सुपर स्वच्छता लीग में शीर्ष स्थान और लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतना इंदौर की मेहनत, समर्पण और सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। यह शहर न केवल स्वच्छता, बल्कि नागरिकों की जागरूकता और प्रशासनिक कुशलता का प्रतीक बन चुका है। देश की सर्वश्रेष्ठ राजधानी के रूप में भोपाल ने स्वच्छता के क्षेत्र में भी आदर्श प्रस्तुत किया है। विभिन्न श्रेणियों में ग्वालियर, देवास, शाहगंज और जबलपुर भी पुरस्कृत किए गए हैं। इंदौर का स्वच्छता मॉडल न केवल एक शहर की स्वच्छता की कहानी है बल्कि यह दर्शाता है कि सामूहिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ग्लोबल सुपर लीग : बारिश ने बुझाई उम्मीदें, स्टैग्स और राइडर्स के बीच मुकाबला रद्द

प्रोविडेंस स्टेडियम, (गुयाना)। एक्सॉनमोबिल गुयाना ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) के ग्रुप स्टेज का अंतिम मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे गत चैंपियन रंगपुर राइडर्स लगातार चौथी जीत दर्ज करने से चूक गई। प्रोविडेंस स्टेडियम में गुरुवार रात भारी बारिश के कारण राइडर्स और प्वाइंट टेबल में सबसे नीचे चल रही सेंट्रल स्टैग्स के बीच मुकाबला पहले 17 ओवर प्रति पारी तक सीमित किया गया, फिर और घटाकर 14 ओवर किया गया। लेकिन बारिश की दोबारा वापसी के कारण मैच को रद्द कर दिया गया। इस दौरान सिर्फ राइडर्स की पारी ही पूरी हो सकी। राइडर्स की टीम मुकाबले से पहले एक अच्छी तैयारी या चुनौती की उम्मीद कर रही थी, लेकिन उन्हें स्टैग्स के गेंदबाजों से कड़ी टक्कर मिली। मुश्किल होती पिच और भीगे मैदान पर सैफ हसन और माहिदुल इस्लाम अंकों ही दोहरे अंक में पहुंच सके। पूरी टीम मात्र 13.5 ओवर में 79 रन पर सिमट गई। हालांकि, बारिश ने राइडर्स को और शर्मिंदगी से बचा लिया, क्योंकि स्टैग्स की टीम को बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिल पाया और मुकाबला बिना नतीजे के समाप्त हो गया। सेंट्रल स्टैग्स का निराशाजनक अभियान इस प्रदर्शन से कुछ हद तक सकारात्मक अंत तक पहुंचा, जहां उनके गेंदबाजों ने विशेषकर निचले क्रम पर कहर ढाया। एंगस शॉ, जैडन लेनॉक्स और ब्लेयर टिकनर ने तीन-तीन विकेट झटके। प्रोविडेंस की पिच पर तेज़ और स्पिन दोनों ही गेंदबाज़ी को मदद मिलती दिखी। अब सभी निगाहें शुक्रवार रात होने वाले फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें – रंगपुर राइडर्स और घरेलू टीम गुयाना अमेज़न वॉरियर्स – आमने-सामने होंगी। उम्मीद की जा रही है कि मौसम साफ रहेगा और इस साल का जीएसएल एक रोमांचक फाइनल के साथ समाप्त होगा।

अमेरिकी ओपन 2025 में कई दिग्गज खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में

न्यूयार्क। अमेरिकी ओपन 2025 के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और इस प्रतिष्ठित ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में कई नामी सितारे अपनी किस्मत आजमाने को तैयार हैं। गत चैंपियन यानिक सिनर और दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका उन 10 पूर्व विजेताओं में शामिल हैं जो इस बार भी खिताब के लिए जोर लगाएंगे। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए आधिकारिक प्रवेश सूची जारी की है जिसमें कुल 18 पूर्व ग्रैंडस्लैम एकल चैंपियन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। इस सूची में खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश 14 जुलाई तक की विश्व रैंकिंग के आधार पर दिया गया है। पुरुष खिलाड़ियों के लिए कटऑफ 101वीं रैंकिंग रही जबकि महिला वर्ग में यह सीमा 99वीं रैंकिंग पर थी। इसका मतलब है कि इस साल भी कोर्ट पर दुनिया के कई बड़े सितारे और अनुभवी नाम एक बार फिर अपनी दावेदारी पेश करेंगे और दर्शकों को कड़ी टक्कर वाले मुकाबले देखने को मिलेंगे। विश्व के नंबर वन पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर इस समय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में विंबलडन फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को हराकर अपना चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता और अब वह अमेरिकी ओपन में भी उसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। दूसरी ओर, महिला वर्ग की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका विंबलडन में सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, हालांकि वहां उन्हें अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अनिसिमोवा इस समय विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं और अमेरिकी ओपन में शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल चार अमेरिकी महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जो घरेलू दर्शकों के सामने खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। अमेरिका की तरफ से इस बार सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश मिला है, जिनमें 16 महिला और 14 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। इससे साफ है कि घरेलू दर्शकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का भरपूर मौका मिलेगा और टूर्नामेंट में जबरदस्त रोमांच की उम्मीद की जा रही है।

डिओगो जोटा को वुल्व्स हॉल ऑफ फेम में किया गया शामिल

लंदन। वुल्व्स फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी डिओगो जोटा को अपने हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने की घोषणा की। यह सम्मान उन्हें मैदान पर उनकी शानदार उपलब्धियों और उनके असामयिक निधन से फुटबॉल जगत पर पड़े गहरे प्रभाव को श्रद्धांजलि स्वरूप दिया गया है। क्लब के अनुसार, जोटा और उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा - जो स्वयं भी पेशेवर फुटबॉलर थे - का 3 जुलाई को स्पेन के ज़मोरा में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था। आंद्रे की उम्र मात्र 25 वर्ष थी। वुल्व्स की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हॉल ऑफ फेम का संचालन एक स्वतंत्र समिति करती है, जिसकी अध्यक्षता क्लब के दिग्गज खिलाड़ी जॉन रिचर्ड्स करते हैं। आमतौर पर किसी खिलाड़ी को हॉल ऑफ फेम में शामिल करने का निर्णय लंबी चर्चा के बाद लिया जाता है, लेकिन इस दुखद घटना के मद्देनज़र यह निर्णय सर्वसम्मति से और त्वरित रूप से लिया गया। डिओगो जोटा ने जुलाई 2017 में एटलेटिको मैड्रिड से वुल्व्स में शामिल होकर कुल 131 मैचों में 44 गोल किए थे। उन्होंने 2017-18 सीज़न में टीम को चैम्पियनशिप खिताब जिताने और प्रीमियर लीग में प्रमोशन दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। क्लब ने अपने बयान में कहा, "क्लब के म्यूजियम के इस सबसे प्रतिष्ठित हिस्से में शामिल करने के लिए आमतौर पर हफ्तों या महीनों तक चर्चा होती है। लेकिन इस मामले में निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया — यह दर्शाता है कि प्रशंसकों और फुटबॉल जगत में उनके लिए कितनी भावनाएं जुड़ी थीं और उन्होंने कितना गहरा प्रभाव छोड़ा है।" वुल्व्स क्लब ने यह भी बताया कि वे जोटा और आंद्रे की याद में दो आगामी घरेलू मुकाबलों (9 अगस्त को सेल्टा विगो के खिलाफ अंतिम प्री-सीजन फ्रेंडली और एक सप्ताह बाद मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ प्रीमियर लीग ओपनर) में श्रद्धांजलि देंगे।

यूरोपीय दौरा: बेल्जियम ने भारतीय 'ए' पुरुष हॉकी टीम को 3-1 से हराया

एंटवर्पन (बेल्जियम)। यूरोपीय दौरे के तहत भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एंटवर्पन के स्पोर्टसेंट्रम विलरिज्कसेप्लेन मैदान में खेला गया। भारतीय टीम की ओर से एकमात्र गोल कप्तान संजय ने किया। बेल्जियम ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए पहले ही क्वार्टर में तीन गोल दाग दिए और भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। हालांकि, इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने संयम बरतते हुए बेहतर खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। अंतिम क्वार्टर में भारत की ओर से एकमात्र गोल हुआ। मैच के बाद टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, "हालांकि शुरुआत थोड़ी कमजोर रही, लेकिन कुल मिलाकर प्रदर्शन अच्छा था। हमने जल्दी गोल गंवाए, लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए खेल को नियंत्रित किया। गेंद की पोजिशनिंग बेहतर थी और हमने कई मौके बनाए, अब हमें फिनिशिंग पर ज्यादा ध्यान देना होगा।" उन्होंने आगे कहा, "ये खिलाड़ी दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेल रहे हैं, इसलिए उन पर काफी दबाव होता है। बावजूद इसके, ये युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं। यह दौरा इनके विकास के लिए बेहद अहम है। अब हमें विश्व नंबर 1 टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ अगला मुकाबला खेलना है। ऐसे अनुभव भविष्य में इन खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद साबित होंगे।" भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम अब 18 जुलाई और 20 जुलाई को रात 9:30 बजे और 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) क्रमशः दो अहम मुकाबलों के लिए आइंडहोवन (नीदरलैंड्स) का रुख करेगी और दौरे का समापन सकारात्मक परिणाम के साथ करने की उम्मीद रखेगी।

फिडे महिला वर्ल्ड कपः प्री-क्वार्टरफाइनल में चारों भारतीय खिलाड़ी टाईब्रेक में पहुंचीं

नई दिल्ली। फिडे महिला विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में भारत की चारों महिला शतरंज खिलाड़ी – दिव्या देशमुख, आर. वैषाली, कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली – अपने-अपने मुकाबले टाईब्रेक में खेलने को मजबूर हो गई हैं। दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की झू जिनर ने गुरुवार को दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी करते हुए दिव्या देशमुख को मात दी और मुकाबला टाईब्रेक में पहुंचा दिया। दिव्या ने बुधवार को सफेद मोहरों से खेलते हुए झू के खिलाफ शानदार जीत हासिल की थी और उन्हें क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए केवल ड्रॉ की जरूरत थी। लेकिन ब्लैक मोहरों से खेलते हुए एक अनौपचारिक स्कॉच ओपनिंग में मिडिल गेम के दौरान उनकी स्थिति बिगड़ गई और फिर एंडगेम में वापसी करना उनके लिए असंभव हो गया। वहीं, आर. वैषाली ने कजाकिस्तान की मेरुर्ट कामालिदेनोवा के खिलाफ एक और ड्रॉ खेला। उन्होंने भी ब्लैक मोहरों से खेलते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। अनुभवी कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली ने क्रमशः स्विट्जरलैंड की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक और रूस की कैटेरीना लगनो के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलते हुए ड्रॉ किया। इस बीच, चीन की तीन खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गईं। लेई टिंगजी ने उज्बेकिस्तान की उमिदा ओमोनोवा के खिलाफ आसानी से ड्रॉ किया, सॉन्ग यूसिन ने जॉर्जिया की लेला जावाखिशविली से भी ड्रॉ किया, जबकि तान झोंगयी ने यूलिया ऑस्मक को हराकर दूसरे गेम में आराम से ड्रॉ कर मुकाबला अपने नाम किया। दिन की सबसे बड़ी उलटफेर स्थानीय खिलाड़ी नाना डजागनिडजे ने की, जिन्होंने यूक्रेन की मारिया मुझचुक को हराकर उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। गौरतलब है कि इस विश्व कप के जरिए तीन खिलाड़ियों को 2026 की पहली छमाही में होने वाली फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलेगा। चारों भारतीय खिलाड़ी आज शाम भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे से टाईब्रेक खेलेंगी।

एशेज के लिए रिकी पोंटिंग ने सुझाई ऑस्ट्रेलिया की टॉप ऑर्डर बैटिंग लाइन-अप

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग ने एशेज 2025 के पहले टेस्ट के लिए कंगारू टीम का टॉप ऑर्डर किस तरह होना चाहिए, इसे लेकर अपनी राय दी है। हाल ही में भारत, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मुकाबलों में ऑस्ट्रेलियाई टॉप ऑर्डर लगातार अस्थिर नजर आया है। कभी कोई खिलाड़ी ओपन करता दिखा, तो कभी तीसरे नंबर पर बदलाव हुए। ऐसे में टीम की बल्लेबाजी की निरंतरता पर सवाल उठे हैं। खासकर युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास, जो ओपनर के रूप में टीम में आए थे, डेब्यू मैच के बाद लगातार असफल रहे और वेस्टइंडीज के खिलाफ छह पारियों में सिर्फ 50 रन ही बना सके। इसके बावजूद पोंटिंग उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें ओपनिंग में बरकरार रखने के पक्ष में हैं। एक बातचीत के दौरान रिकी पोंटिंग ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के लिए वह उस्मान ख्वाजा और सैम कोंस्टास की जोड़ी को सलामी बल्लेबाज के रूप में

देखना चाहते हैं। वहीं, तीसरे नंबर के लिए उन्होंने कैमरोन ग्रीन का समर्थन किया। पोंटिंग के मुताबिक ग्रीन ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टेस्ट की दूसरी पारी में कठिन परिस्थितियों में धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की, जिससे उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया। पोंटिंग ने कहा कि पिछले कुछ समय में ख्वाजा, कोंस्टास और ग्रीन को लेकर काफी चर्चाएं हुई हैं, लेकिन ग्रीन की परिपक्वता ने यह संकेत दिया है कि वह तीसरे नंबर पर स्थायी समाधान हो सकते हैं। उन्होंने यह भी माना कि वेस्टइंडीज के खिलाफ भले ही ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से टेस्ट सीरीज जीती, लेकिन शीर्ष क्रम की विफलता लगातार चिंता का विषय बनी रही। इसके बावजूद पोंटिंग का मानना है कि एशेज की शुरुआत उसी टॉप ऑर्डर के साथ की जाएगी जो फिलहाल टीम में है। पूर्व कप्तान ने उम्मीद जताई कि अगर यही बल्लेबाज शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर देते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया को स्थिरता और संतुलन मिलेगा। उनकी राय में मौजूदा हालात में टीम को प्रयोग बंद कर एक भरोसेमंद संयोजन के साथ उतरना चाहिए, जिससे आत्मविश्वास बढ़े और शुरुआती मैचों में दबदबा बनाया जा सके।

व्यापार

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली तेजी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में तेजी आने के कारण आज देश ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये से लेकर 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,060 रुपये से लेकर 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,13,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लगातार दूसरे दिन गिरा शेयर बाजार, निवेशकों के 2.57 लाख करोड़ रुपये डूबे

नई दिल्ली। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स 82,000 अंक के स्तर से भी नीचे पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 25,000 अंक के स्तर से नीचे गिर कर आज के कारोबार का अंत किया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.61 प्रतिशत और निफ्टी 0.57 प्रतिशत टूट कर बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मेटल और आईटी इंडेक्स में मामूली खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 458.30 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.87 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.57 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,208 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,660 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,390 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 158 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,651 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 938 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,713 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के

साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में और 35 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 65.62 अंक की कमजोरी के साथ 82,193.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 75.51 अंक की मजबूती के साथ 82,334.75 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स एक बार फिर गिर कर लाल निशान में पहुंच गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11 बजे के करीब ये सूचकांक 651.11 अंक की गिरावट के साथ 81,608.15 अंक के स्तर पर पहुंच गया आ गया। हालांकि दिन के कारोबार में खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इस सूचकांक की स्थिति में अधिक सुधार नहीं हो सका। कारोबार के आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 150 अंक की रिकवरी करके 501.51 अंक की गिरावट के साथ 81,757.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 2.90 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 25,108.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 33.15 अंक की मजबूती के साथ 25,144.60 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी लुढ़क कर दोबारा लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक 192.80 अंक फिसल कर 24,918.65 अंक के स्तर तक आया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 50 अंक की रिकवरी करके 143.05 अंक की गिरावट के साथ 24,968.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

गोयल ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माता बनने का आह्वान किया

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में योगदान देने के लिए सक्षम एवं प्रतिबद्ध व्यक्तियों की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री नोएडा स्थित श्रीराम मिलेनियम स्कूल में भारत के अंतरराष्ट्रीय राष्ट्र एकीकरण आंदोलन (आईआईएमयूएन) सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। पीयूष गोयल ने युवाओं से भारत के भविष्य की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया और कहा कि कल के भारत के परिवर्तनकर्ता और प्रेरक बनें। उन्होंने कहा कि सामूहिक संकल्प के साथ, हम हर चुनौती पर विजय पा सकते हैं और अपने राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। गोयल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक बड़े परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। 15 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री के संबोधन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अमृत काल की 25 वर्ष की अवधि 2047 में भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी तक ले जाएगी। उन्होंने विस्तार से बताया कि पांच प्रतिज्ञाओं में से पहली प्रतिज्ञा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। गोयल ने कहा कि यह प्रतिबद्धता तभी साकार हो सकती है, जब हम शेष चार प्रतिज्ञाओं को भी उतनी ही गंभीरता से अपनाएं।

रिलायंस रिटेल ने अमेरिकी कंपनी केल्विनेटर का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की रिलायंस रिटेल ने शुक्रवार को अमेरिकी कंपनी केल्विनटर के अधिग्रहण की घोषणा की। हालांकि, कंपनी ने इसका खुलासा नहीं किया कि ये सौदा कितने में हुआ। रिलायंस रिटेल की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि कंपनी का यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स मार्केट में अपनी स्थिति को मजबूत करने की स्ट्रेटजी का एक हिस्सा है। केल्विनटर को खरीदने का मकसद भारतीय घरों तक ग्लोबल लेवल के हाई क्वालिटी डिवाइसेज पहुंचाना है। केल्विनेटर को भारत में भरोसेमंद रेफ्रिजरेटर और 'द कूलेस्ट वन' जैसी यादगार टैगलाइन के लिए जाना जाता है। अब यह रिलायंस के बढ़ते पोर्टफोलियो का हिस्सा होगा। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा एम. अंबानी ने कहा, ''केल्विनेटर का अधिग्रहण महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमें भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्वसनीय वैश्विक नवाचारों की हमारी पेशकश को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाने में सक्षम बनाता है।'' साल 1963 में भारतीय बाजार में कदम रखने वाली अमेरिकी कंपनी केल्विनेटर एक शताब्दी से भी अधिक समय से वैश्विक स्तर पर घरेलू उपयोग के लिए रेफ्रिजरेटर, एसी, कूलर, वॉशिंग मशीन बना रही है। इस कंपनी ने 1970-80 के दशक में गोदरेज और अल्विन के साथ मिलकर भारतीय बाजार पर राज किया। हालांकि, 90 के दशक में उदारीकरण के बाद एलजी और सैमसंग जैसे ग्लोबल ब्रांड्स के कॉम्पिटिशन के कारण इसकी चमक फीकी पड़ गई।

आईटीआर-2 फॉर्म की ऑनलाइन फाइलिंग प्रक्रिया शुरू, 15 सितंबर है आखिरी तारीख

आईटीआर-2 फॉर्म ऑनलाइन फाइलिंग अब पहले से भरे डेटा के साथ लाइव

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शुक्रवार को आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-2 फॉर्म के लिए ऑनलाइन आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइलिंग की सुविधा शुरू कर दी है, जिससे जटिल आय संरचना वाले लाखों करदाताओं को अपना आईटीआर ज्यादा आसानी से दाखिल करने में मदद मिलेगी। आयकर विभाग ने बयान जारी कर बताया कि आयकर रिटर्न फॉर्म आईटीआर-2 अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर पहले से भरे गए डेटा के साथ ऑनलाइन दाखिल करने के लिए उपलब्ध है। इसके जारी होने के साथ ही वो सभी करदाता, जिनमें वेतनभोगी व्यक्ति भी शामिल हैं, जिनके पास कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम आदि हैं, आज से ई-फाइलिंग आईटीआर पोर्टल के जरिए अपना आयकर रिटर्न ऑनलाइन दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। यह फॉर्म https://incometax.gov.in/iec/foportal/" पर उपलब्ध है। विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आईटीआर दाखिल करने की विस्तारित समय-सीमा पहले ही बढ़ा कर 15 सितंबर, 2025 कर दिया था। विभाग ने इससे पहले केवल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे। इससे सीमित करदाताओं को ही अपना आईटीआर दाखिल करने में मदद मिली थी। हालांकि, आईटीआर-3 फॉर्म के लिए अब भी केवल एक्सेल यूटिलिटी ही सक्षम है, ऑनलाइन यूटिलिटी अभी सक्षम नहीं है।

फ्लोरल ड्रेस में मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर ढाया कहर, दिए किलर पोज

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने हॉट और ग्लैमरस अवतार से सोशल मीडिया पर छा गई हैं. इस बार मोनालिसा ने फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस में अपनी नई तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वह बेहद स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट नजर आ रही हैं. अपने इस पोस्ट में मोनालिसा ने लाल बिंदी, खुले बाल और मैचिंग इयररिंग्स के साथ अपने लुक को कम्पलीट किया है. मोनालिसा की इस तस्वीर को फैंस ने खूब पसंद किया है और कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं. किसी ने उन्हें 'ब्यूटीफुल क्वीन कहा तो किसी ने दिल और फायर इमोजी के साथ उनकी तारीफ की. मोनालिसा का बोल्ड और स्टाइलिश लुक उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है. उनकी हर पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है और फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं. मोनालिसा का ये नया अवतार भी इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि फैशन आइकन भी हैं. मोनालिसा का ये लेटेस्ट फोटोशूट यह भी दिखाता है कि उन्होंने अपने स्टाइल और फैशन सेंस को किस तरह लगातार निखारा है. चाहे ट्रेडिशनल आउटफिट हो या वेस्टर्न ड्रेस, मोनालिसा हर लुक में बेहद कॉन्फिडेंट और गॉर्जियस नजर आती हैं. उनके फैंस हमेशा उनकी नई तस्वीरों और वीडियोज़ का इंतजार करते हैं और हर बार उनकी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है. मोनालिसा की यही अदा उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर और ग्लैमरस अदाकाराओं में शामिल कर देती है.

मंडला मर्डर्स का ट्रेलर जारी

मर्डर मिस्ट्री की गुत्थी सुलझाती हुई नजर आईं वाणी कपूर

सीरीज मंडला मर्डर्स का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। नेटफ्लिक्स और यशराज फिल्म्स की साझेदारी में बन रही यह सीरीज इसी महीने दर्शकों के बीच पहुंचेगी। इसमें चरणदासपुर के जंगलों में मौजूद एक प्राचीन यंत्र के रहस्यों के बारे में बताया गया है। सीरीज सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। इसमें सुरवीन चावला, वाणी कपूर, श्रिया पिलगांवकर जैसे सितारे हैं। नेटफ्लिक्स ने एक पोस्ट शेयर किया है। ट्रेलर रिलीज की जानकारी देने के साथ लिखा है, कुछ रहस्य विज्ञान और विश्वास से परे हैं। मोल चुकाने का समय आ गया है। सीरीज की रिलीज डेट भी बताई गई है। मंडला मर्डर्स नेटफ्लिक्स पर 25 जुलाई से स्ट्रीम होगी। ट्रेलर में एक प्राचीन यंत्र के बारे में बताया गया है, जो चरणदासपुर के जंगलों में है। इसमें अपने अंगों की आहुति देने वालों को वरदान प्राप्त हुआ है। अगले दृश्य में वाणी कपूर की एंट्री होती है, जो सीरीज में इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर रिया थॉमस के रोल में नजर आएंगी। एक्टर वैभव दिल्ली पुलिस अधिकारी विक्रम सिंह का किरदार निभाते दिखेंगे। वे प्राचीन यंत्र और बेरहमी से की गईं हत्याओं की गुत्थी सुलझाने निकलते हैं। इस सीरीज में सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा पंचायत फेम प्रधानजी यानी एक्टर रघुबीर यादव भी इस सीरीज में दिखाई देंगे। मंडला मर्डर्स के जरिए वाणी कपूर ओटीटी सीरीज की दुनिया में डेब्यू कर रही हैं। इस सीरीज के निर्देशन की कमान गोपी पुरथन ने संभाली है। ट्रेलर सस्पेंस से भरा है और इसने सीरीज के प्रति दिलचस्पी बढ़ा दी है। सीरीज के ट्रेलर पर नेटिजन्स की शानदार प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर्स लिख रहे हैं, प्रधानजी की वापसी। एक अन्य यूजर ने लिखा, आधी कास्ट गुल्लक की इधर आ गई है। वहीं, ट्रेलर को भी शानदार बता रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, ट्रेलर शानदार है। सीरीज का इंतजार है।

ट्विंकल अरोड़ा का सपना पंजाबी आ गए ओए से पूरा, बोलीं- हमेशा से एक्ट्रेस बनना चाहती थीं

टीवी एक्ट्रेस ट्विंकल अरोड़ा इन दिनों अपनी कॉमेडी फिल्म पंजाबी आ गए ओए को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने फिल्म में जुड़ने के अपने अनुभव और उत्साह को साझा किया। साथ ही बताया कि यह फिल्म उनके लिए इतनी खास क्यों है। ट्विंकल अरोड़ा ने बताया कि जब उनके पास इस पंजाबी फिल्म का ऑफर आया, तो वह काफी खुश हुई। एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे पता चला कि मैं एक पंजाबी फिल्म करने जा रही हूं, तो मैं बहुत ज्यादा खुश और आभारी महसूस कर रही थी। मुझे लगता है कि ये मुझ पर भगवान की कृपा हो रही है और मैं इस पर काफी विश्वास करती हूं। मैंने अपना करियर पंजाबी इंडस्ट्री से शुरू किया था, इसलिए वहां एक लीड रोल में फिल्म करना मेरी ख्वाहिशों में हमेशा से शामिल रहा है। मैं हमेशा से फिल्म इंडस्ट्री में काम करना चाहती थी और अब वह सपना पूरा हो गया। इसलिए मैं सच में खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। उन्होंने आगे बताया कि जब उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट पहली बार सुनी, तो उनकी क्या प्रतिक्रिया थी। ट्विंकल ने कहा, जब मेरी पहली मीटिंग हुई और मैंने पंजाबी आ गए ओए की स्क्रिप्ट सुनी। मुझे एहसास हुआ कि ये एक ऐसी फिल्म है, जो पूरे परिवार के साथ देखी जा सकती है। इसमें हर उम्र के लोगों के लिए कुछ न कुछ है, हंसी-मजाक, रोमांच और कुछ नया भी आजमाया गया है। मुझे ये सब बहुत अच्छा लगा और अब मैं इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं। पिछले साल अक्टूबर में ट्विंकल ने अपनी फिल्म का ऐलान किया था। उन्होंने एक फोटो शेयर की थी, जिसमें वह क्लैपबोर्ड पकड़े खड़ी हुई नजर आ रही थीं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा था, पंजाबी आ गए ओए... मैं अपने फैन्स को एक नए प्रोजेक्ट से सरप्राइज देना चाहती हूं। बहुत जल्द ये तोहफा आपके नजदीकी सिनेमाघरों में पहुंचेगा। अपडेट्स के लिए जुड़े रहिए। इस फिल्म में ट्विंकल के साथ प्रिंस कंवलजीत सिंह और सिंग्गा भी नजर आएंगे। पंजाबी आ गए ओए दुनिया भर के सिनेमाघरों में 29 अगस्त को रिलीज होगी।

फिल्म अल्कोहल से अल्लारी नरेश की फर्स्ट लुक आउट

तेलुगु सिनेमा के चर्चित बैनरों में से एक, सिथारा एंटरटेनमेंट्स, अपनी अगली धमाकेदार परियोजना अल्कोहल को प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें अल्लारी नरेश मुख्य भूमिका में हैं। अल्लारी नरेश के जन्मदिन के अवसर पर फ़िल्म का पहला लुक जारी किया गया है। मेहर तेज द्वारा निर्देशित और एस. नागा वामसी व साई सौजन्या द्वारा निर्मित, फॉर्च्यून फोर सिनेमाज़ के सहयोग से और श्रीकारा स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत इस फ़िल्म का निर्देशन श्रीकारा स्टूडियोज़ ने किया है। फ़िल्म के पहले पोस्टर ने पहले ही काफ़ी चर्चा बटोर ली है, जिसमें अल्लारी नरेश का अल्कोहल में डूबा हुआ एक क्लोज़-अप दृश्य है, जो एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है जो भ्रम और वास्तविकता के बीच की धुंधली रेखाओं को उजागर करती है। इस फ़िल्म में रूहानी शर्मा सहित प्रभावशाली कलाकार और एक प्रतिभाशाली क्रू शामिल है, जिसका संगीत घिबरन ने दिया है, छायांकन जीजू सनी ने किया है और संपादन निरंजन देवरामने ने किया है। मेहर तेज द्वारा लिखित और निर्देशित, अल्कोहल की कहानी एक मनोरंजक कहानी प्रतीत होती है जो मानवीय भावनाओं की जटिलताओं को उजागर करती है। विशाल अबानी द्वारा निर्मित और उद्भव रघुनंदन द्वारा सह-लिखित प्रोडक्शन डिज़ाइन, फ़िल्म की उत्सुकता को और बढ़ा देता है। ऐसा लगता है कि यह निर्माता सूर्यदेवरा नागा वामसी के पोर्टफोलियो में एक और रोमांचक फ़िल्म है। अल्लारी नरेश की मुख्य भूमिका वाली अल्कोहल एक गहन और रोमांचक सफ़र का वादा करती है। अल्लारी नरेश, जो एक बार फिर गंभीर भूमिकाओं के साथ एक नया रास्ता अपना रहे हैं, एक गंभीर कहानी लेकर आ रहे हैं। हालाँकि, सिथारा एंटरटेनमेंट्स के निर्देशन में, अल्कोहल निश्चित रूप से एक ऐसी परियोजना है जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है।

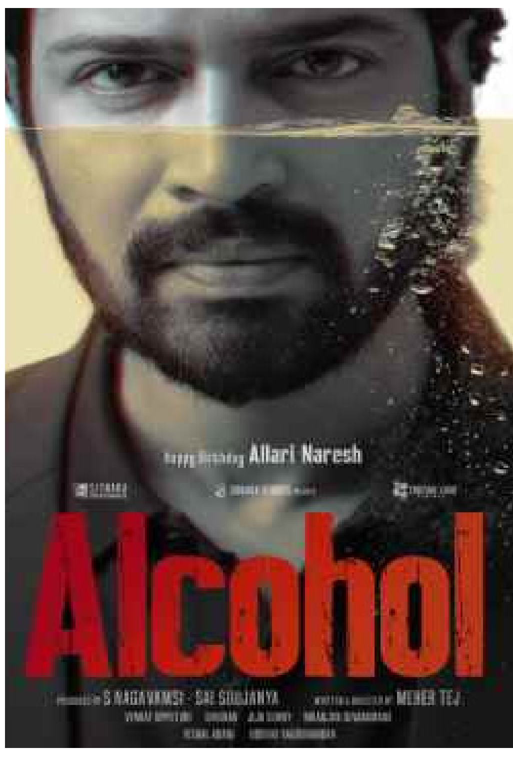

रोजाना नींबू पानी पीते हैं? हो सकती हैं ये समस्याएं

नींबू पानी में विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और त्वचा को नमी देने के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि नींबू पानी कुछ लोगों के लिए हानिकारक भी हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी समस्याओं के बारे में बताते हैं, जो नींबू पानी पीने के बाद हो सकती हैं और फिर इसे पीने से बचना चाहिए। नींबू की तासीर काफी खट्टी होती है और इसमें मौजूद खट्टा एसिड दांतों की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके कारण दांत संवेदनशील हो सकते हैं और दांतों में दर्द और दांतों का खराब होना जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। अगर आपके दांत पहले से ही संवेदनशील हैं तो नींबू पानी पीने से बचें क्योंकि इससे दांतों में दर्द बढ़ सकता है। अगर आपको पहले से ही पेट में जलन या एसिडिटी की समस्या है तो नींबू पानी का सेवन करने से इन समस्याओं के लक्षण बढ़ सकते हैं। एसिडिटी के कारण सीने में जलन और बेचैनी हो सकती है। अगर आपको सीने में जलन होती है तो इसका कारण नींबू पानी का सेवन हो सकता है। इसलिए इन समस्याओं से ग्रस्त लोग नींबू पानी का सेवन न करें। नींबू पानी में खट्टा एसिड और अन्य तत्व होते हैं, जो त्वचा को संवेदनशील बना सकते हैं। खासतौर से अगर आप नींबू पानी को अपने चेहरे पर लगाते हैं तो इससे त्वचा में जलन या रैशेज हो सकते हैं। इसके अलावा नींबू पानी के अधिक सेवन से त्वचा पर चकत्ते भी हो सकते हैं। इसलिए नींबू पानी का सेवन कम करें और नींबू पानी को चेहरे से दूर रखें। नींबू पानी का सेवन पाचन क्रिया पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और इससे पेट में गैस बन सकती है।

एक दिन में कितनी कैफीन का सेवन स्वास्थ्य के लिए है सही?

कैफीन एक प्राकृतिक उत्तेजक है, जो कॉफी, चाय, सोडा और ऊर्जा पेय में पाया जाता है। यह हमारे शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने और थकान को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, कैफीन का अधिक सेवन स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है। इस लेख में हम जानेंगे कि एक दिन में कितनी कैफीन का सेवन स्वास्थ्य के लिए सही माना जाता है और इसके फायदे और नुकसान क्या हैं। कैफीन की मात्रा का महत्व इसलिए है क्योंकि इससे हमारे शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव तय होते हैं। अगर हम सही मात्रा में कैफीन का सेवन करते हैं तो यह हमारी ऊर्जा बढ़ाने, थकान दूर करने और मानसिक सतर्कता बढ़ाने में मदद करता है, वहीं अगर हम ज्यादा मात्रा में कैफीन लेते हैं तो इससे नींद की कमी, सिरदर्द, दिल की धड़कन तेज होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सही मात्रा में कैफीन लेना जरूरी है। स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, एक वयस्क व्यक्ति के लिए दिनभर में 400 मिलीग्राम कैफीन का सेवन करना सुरक्षित माना जाता है। हालांकि, यह मात्रा व्यक्ति विशेष पर निर्भर करती है क्योंकि हर किसी का शरीर अलग होता है और उनकी कैफीन सहिष्णुता भी अलग होती है। इसके अतिरिक्त बच्चों को कैफीन देने से बचें। कैफीन का सेवन ऊर्जा बढ़ाने, थकान दूर करने और मानसिक सतर्कता बढ़ाने में मदद करता है। यह हमारे मूड को भी बेहतर बनाता है और काम करने की क्षमता को बढ़ाता है। इसके अलावा कैफीन का सेवन वजन कम करने में भी सहायक हो सकता है क्योंकि यह शरीर की ऊर्जा खपत को तेज करता है। साथ ही यह खेलों में प्रदर्शन सुधारने वाले खिलाड़ियों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है।

Indian Navy's strength will increase, country's first indigenous INS 'Nistar' will join the fleet

New Delhi, In a major step forward in its indigenous defence manufacturing capability, the Indian Navy will commission its first indigenously built Diving Support Vessel (DSV), INS Nistar, at the Naval Dockyard in Visakhapatnam on Friday. The ceremony will be presided over by Minister of State for Defence Sanjay Seth. Navy Chief Admiral Dinesh K. Tripathi and other senior officers will also be present on this historic occasion. A video was shared on the official X account of the Ministry of Defence on Friday, highlighting the features of INS Nistar. "NISTAAR--Indian Navy's first indigenously designed Diving Support Vessel will be commissioned today at Visakhapatnam by Minister of State for Defence Sanjay Seth in presence of Navy Chief Admiral Dinesh K Tripathi. Built by Hindustan

Shipyard Limited, it has 80 per cent indigenous content and has been built by 120 MSMEs. NISTAR is capable of deep sea diving and submarine rescue. Weighing over 10,500 tonnes, the ship serves as the mothership for a multi-deck saturation diving complex, ROVs, and Deep Submergence Rescue Vehicles," he wrote on X.

The name 'Nistar' is derived from Sanskrit, meaning liberation, rescue or deliverance. The ship is completely designed and built in India by Hindustan Shipyard Limited (HSL), marking a significant step towards India's self-reliance in defence production. INS Nistar has over 80 per cent indigenous content and has involved the participation of nearly 120 micro, small and medium enterprises (MSMEs). It symbolises India's ability to build complex and advanced naval platforms at par with global standards. Measuring around 120 metres long, 20 metres wide and weighing over 10,500 tonnes, the ship is designed for critical missions such as deep-sea diving and submarine rescue. INS Nistar has a state-of-the-art diving complex spread over multiple decks to support saturation diving missions. This also includes acting as a mothership for Remotely Operated Vehicles (ROVs) and Deep Submergence Rescue Vehicles (DSRVs), further enhancing its capabilities. In case of a submarine distress, INS Nistar can deploy Remotely Operated Vehicles (ROVs) to assess the underwater situation and Deep Submergence Rescue Vehicles (DSRVs) to extract the crew, providing a vital level of protection and support for Indian Navy's submarine personnel. The induction of this ship reflects the Indian Navy's continued commitment to enhance its underwater operations capability and highlights India's growing defence industrial base. The induction of INS Nistar not only strengthens the naval infrastructure but is also a powerful symbol of India's progress in building self-reliant and future-ready defence forces.

RJD leader put up posters on the walls of Patna, asked questions about law and order

Patna, In Bihar's capital Patna, Rashtriya Janata Dal (RJD) workers have put up posters with the name 'Bihar Mein Ka Ba' in many parts of the city. These posters mention the criminal incidents happening in Bihar and it is written 'Bihar Mein Ka Ba'. The poster put up by RJD in Patna also depicts a mutton party by Lalan Singh in the month of Sawan. Two issues have been highlighted in these posters. On one side the recent firing incident inside the hospital has been shown, while on the other side Union Minister Lallan Singh's 'mutton party' in the month of Sawan has been depicted. Let us tell you that this poster has been put up by RJD leader Sanat Kushwaha. Sanat Kushwaha is an MLA from Kudhni Assembly-93. These posters are being considered as an attempt by RJD to target the current government.

Earlier, on July 15, posters of 'Gundaraj in Bihar' were put up at several intersections in Patna, which mentioned 8 murders. These posters, which were put up at Patna's JP Golambar, Income Tax Square, Veerchand Patel Road, Boring Road Square and other places, were not mentioned by whom. The posters have pictures of Chief Minister Nitish Kumar and Deputy Chief Minister Samrat Chaudhary and it was written, 'Gundaraj in Bihar, havoc on businessmen.' Around the poster, eight recent murders in Bihar were mentioned along with their dates, and pictures of the dead were also put up. The first poster had a picture of famous industrialist Gopal Khemka along with the date of his murder. Similarly, the murders of businessman Deepak Shah, mart owner Vikram Jha, teacher Santosh Rai and sand trader Ramakant Yadav were also mentioned in the poster. Apart from this, the murders of businessman Puttu Khan and lawyer Jitendra Mehta, who were shot dead on July 13, were also mentioned in the poster.

The absence of the Gandhi family in Congress advertisements is the beginning of a new era: Ajay Alok

New Delhi, The Telangana government released an advertisement regarding caste census. It talks about 'the more the population, the more the rights'. The special thing is that there is no picture of any person from the Gandhi family. Neither Sonia Gandhi nor Rahul Gandhi is in the advertisement. There is a smiling picture of Telangana Chief Minister Revanth Reddy. BJP spokesperson Ajay Alok has taken a dig at this. He has called it a 'sign of a new era' of Congress. Tagging the advertisement on his social media handle, he wrote, For the first time in any Congress government's advertisement, that too on caste census, the picture of Rajmata and Yuvraj is missing. Is this a sign of a new era of Congress??? This thought will encourage Congress workers. The Telangana government published an advertisement in the country's

leading newspapers on Friday. This advertisement mentions caste census. The issue of equality has been raised through statistics. The tagline is - Caste census, the foundation of equal rights. As much population, so much rights. The government has mentioned a figure in the advertisement. The indication is clear that the reservation limit will be increased from 23 to 42 percent. Telangana Chief Minister Revanth Reddy had said on Thursday that the state government will table the 2024-25 caste survey data in the Assembly, which has a provision to implement 42 per cent reservation for backward classes in government jobs, educational institutions and local body elections. Reddy said, there is nothing to hide, nor is there any hidden agenda. I have the data. It will be placed before the Assembly. We will bring an ordinance to increase the backward class reservation from 23 per cent to 42 per cent. The state's comprehensive social, educational, employment, economic and caste survey has collected detailed demographic and socio-economic data across Telangana. When Reddy was questioned about the inclusion of Muslims in the backward class category, he said, "We are not implementing it on the basis of religion, but on the basis of caste."

Celebration of murder: New picture of Chandan Mishra's killers goes viral, seen waving pistols on bike

Patna, The police have got some pictures in the case of the shooting of notorious criminal Chandan Mishra who was undergoing treatment at Paras Hospital in Patna, the capital of Bihar. Some pictures have been obtained from the CCTV footage installed in the hospital. In the pictures, the criminals are seen riding a bike and waving a gun in their hands. There are three people riding on the bike and happiness is clearly visible on their faces. According to the police, this picture is probably taken after the crime was committed. The police said that they are currently investigating other CCTV footage to investigate the matter in depth, so that

other information can be gathered regarding the case. The main culprit involved in this incident has been identified as Tausif Badshah, who is a resident of Phulwari Sharif. He is a contract killer by profession. Raids are also going on in many areas to catch other accused involved in this incident. The police is trying to find out whether Tausif carried out this incident to take revenge for his old enmity or someone had given him a contract to do so. Apart from this, cases are also registered against Tausif under the Arms Act. In such a situation, the police is also finding out whether Tausif used to arrange shooters in other states including Uttar Pradesh. All the accused involved in the incident have been identified. Apart from Tausif, Aqib Malik, Sonu, Kalu alias Mustakim and Bhindi alias Balwant Singh are also involved. SSP Kartikeya Sharma himself gave this information. He said that all the criminals involved in this incident have been identified. The history of all is being investigated. Raids are being conducted at their hideouts based on their location. Let us tell you that notorious criminal Chandan Mishra, who was admitted for treatment in Paras Hospital, Patna, was shot dead on July 17. 5 shooters were seen in the CCTV footage of the hospital. They were being led by Tausif Badshah.

Rahul Gandhi called the chargesheet against Robert Vadra a conspiracy, said- the government is harassing my brother-in-law

New Delhi. Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi has termed the charge sheet against Robert Vadra in the money laundering case related to the land scam as 'part of a conspiracy'. Rahul Gandhi alleged that his brother-in-law Robert Vadra is being harassed by this government (BJP government) for the last ten years. In a post on the social media platform 'X', Rahul Gandhi wrote, "My brother-in-law Robert Vadra is being harassed by this government for the last ten years. This charge sheet is another part of the same conspiracy. I stand with Robert, Priyanka

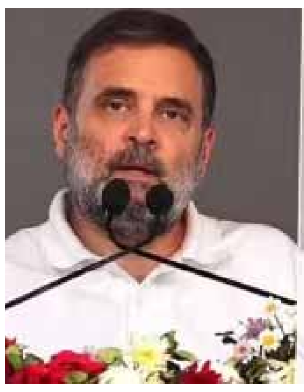

and their children as they face malicious, politically motivated allegations and harassment." The Congress MP further wrote, I have full faith that all of them are capable of facing any kind of atrocities courageously and they will bear it with dignity as always. Ultimately truth will prevail. The central investigation agency Enforcement Directorate (ED) on Thursday filed a chargesheet against Robert Vadra in the money laundering case related to Shikohpur land. The ED also attached 43 properties worth Rs 37.64 crore of Robert Vadra and his company in the money laundering case. According to the ED chargesheet, Robert Vadra's company Skylight Hospitality had 'fraudulently' purchased 3.53 acres of land in Shikhopur village of Gurugram district from Omkareshwar Properties for Rs 7.5 crore on the basis of 'false documents'. It also said that Robert Vadra obtained commercial license on the purchased land by using his 'influence'. The land purchase deal was struck in February 2008, when Haryana was ruled by the Congress and Bhupinder Singh Hooda was the chief minister. The transfer process, which usually takes months, was completed the very next day. A few months later, Robert Vadra got permission to build a housing society there and the price of the land increased significantly. In June, he sold the land to DLF for Rs 58 crore. ED suspects that the money received from this deal may be a part of money laundering. Currently ED is investigating this. In April this year, Congress MP Priyanka Gandhi Vadra's husband Robert Vadra was questioned several times by the ED and his statement was recorded.

AAP leaders' troubles will increase, money laundering case filed in 3 scams, ED will investigate

New Delhi, The Aam Aadmi Party's troubles have increased in Delhi. The Enforcement Directorate has started investigating three big scams that happened during the party's rule. There is suspicion of fraud of more than Rs 6368 crore in these scams. ED has registered a case in these cases. These cases are related to building hospitals, night shelters (shelter homes) and installing CCTV cameras. Hospital scam: Rs 5,590 crore In 2018-19, the Delhi government had decided to build 24 hospitals. The government had said that the hospitals would be ready in 6 months. But Rs 800 crores were spent, yet not even

half the work was done. The cost of Lok Nayak Hospital increased from Rs 488 crores to Rs 1135 crores. ED alleges that the work was started without proper approval. ED will soon question the leaders of the RLD. Former Health Minister Satyendra Jain and Saurabh Bhardwaj may be questioned. Satyendra Jain has already gone to jail in a money laundering case, he is currently out on bail. There are also allegations of irregularities in the construction of shelter homes (night shelters) and investigations are also underway into irregularities in the installation of CCTV cameras in Delhi.

Mumbai: Three-storey chawl collapses in Bandra East, 7 people injured, rescue operation underway

Mumbai, An incident of collapse of a three-storey chawl has come to light in Mumbai's Bandra (East) on Friday. The second and third floors of the ground plus three-storey structure in chawl number 37 collapsed completely, in which 7 people have been injured and have been admitted to the hospital for treatment. According to the information, this incident happened at 5:56 am on Friday. It is being told that Chawl No. 37 near Namaaz Committee Mosque located in Bharat Nagar, Bandra (East) suddenly collapsed. Due to

the collapse of the chawl, many people got buried under its debris. As soon as the information about the incident was received, the fire brigade team reached the spot and started rescue to save the people. The Mumbai Fire Brigade (MFB) declared the incident as Level-1 at 6:19 am. According to the information received so far, 7 people have been injured in this accident, who have been admitted to the nearby Bhabha Hospital for treatment. It is estimated that many people are still trapped in the debris. Mumbai Fire Brigade, Mumbai Police, 108 ambulance service and BMC ward staff are engaged in rescue operations. Efforts are underway to rescue people trapped under the debris. At present, the reason for the collapse of the chawl is not known. Investigation into the cause of the incident has been started. More information is awaited in this matter. This accident once again raises questions about the condition of dilapidated and unsafe buildings in Maharashtra. This is not the first incident of building collapse in recent years.

Torrential rain in Ajmer disrupted life, 64 mm rainfall in 12 hours, schools closed, hospital and railway station submerged

Ajmer, Torrential rains since Thursday night have flooded the city of Ajmer, due to which life has been completely disrupted. A record 64 mm rainfall has been recorded in the last 12 hours. The main roads, streets and colonies of the city are submerged in water, and people are forced to remain confined in their homes. Waterlogging all around the city In view of the intensity of the rain, the district administration has declared a holiday in all schools. In many areas of the city, water has entered inside the houses, causing great trouble to

the residents. Patients, their relatives and staff are facing a lot of problems due to waterlogging in the wards of Jawaharlal Nehru (JNNU) Hospital. Traffic movement has been affected due to waterlogging outside the hospital. The railway station premises are also completely submerged. On Pushkar Road, outside Mittal Hospital and on the main road, water has filled up to two to three feet, due to which drivers are facing difficulty in passing through. Sunhari Colony of Nagara area and surrounding areas are also submerged in water. The water level in the streets of Vaishali Nagar area rose so much that a driver had to climb on the roof of his tempo. The situation is the same in Srinagar Road and Alwar Gate area. Rivers are in spate, red alert issued Due to heavy rains, a strong surge of water is being seen in the Bandi river and the waterfall has overflowed at the Jharneshwar Mahadev temple. The Meteorological Department has issued a red alert warning of heavy rains for the Ajmer division, after which the administration is completely on alert mode.